सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
मूल्य ₹ 3/-
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
• वर्ष: 10 • अंक: 322 • पृष्ठ: 8 • लखनऊ, मंगलवार, 31 दिसम्बर, 2024

यदि आप एक कंपनी बनाने का प्रयास कर रहे हैं, तो ये एक केक बनाने की तरह है। आपको सभी सामग्री सही मात्रा में डालनी होगी।

-इलोन मस्क

साल 2024 में नहीं दिखा कोहली... 7
केजरीवाल को योजनाओं का ओट... 3
भाजपा से दुखी और अपमानित... 2

‘मोदी इज ए डिजास्टर फॉर इंडिया’

बयान बना बवाले जान

सियासी पार्टियों ने भाजपा सरकार को घेरा

न स्मारक के लिए मिली जमीन, न ही राजघाट पर हुआ अंतिम संस्कार

» पूर्व पीएम मनमोहन सिंह का 2014 का प्रेस कांफ्रेंस हो रहा वायरल- डिजास्टर फॉर द कंट्री टू हैव नरेन्द्र मोदी ऐज द प्राइम मिनिस्टर

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

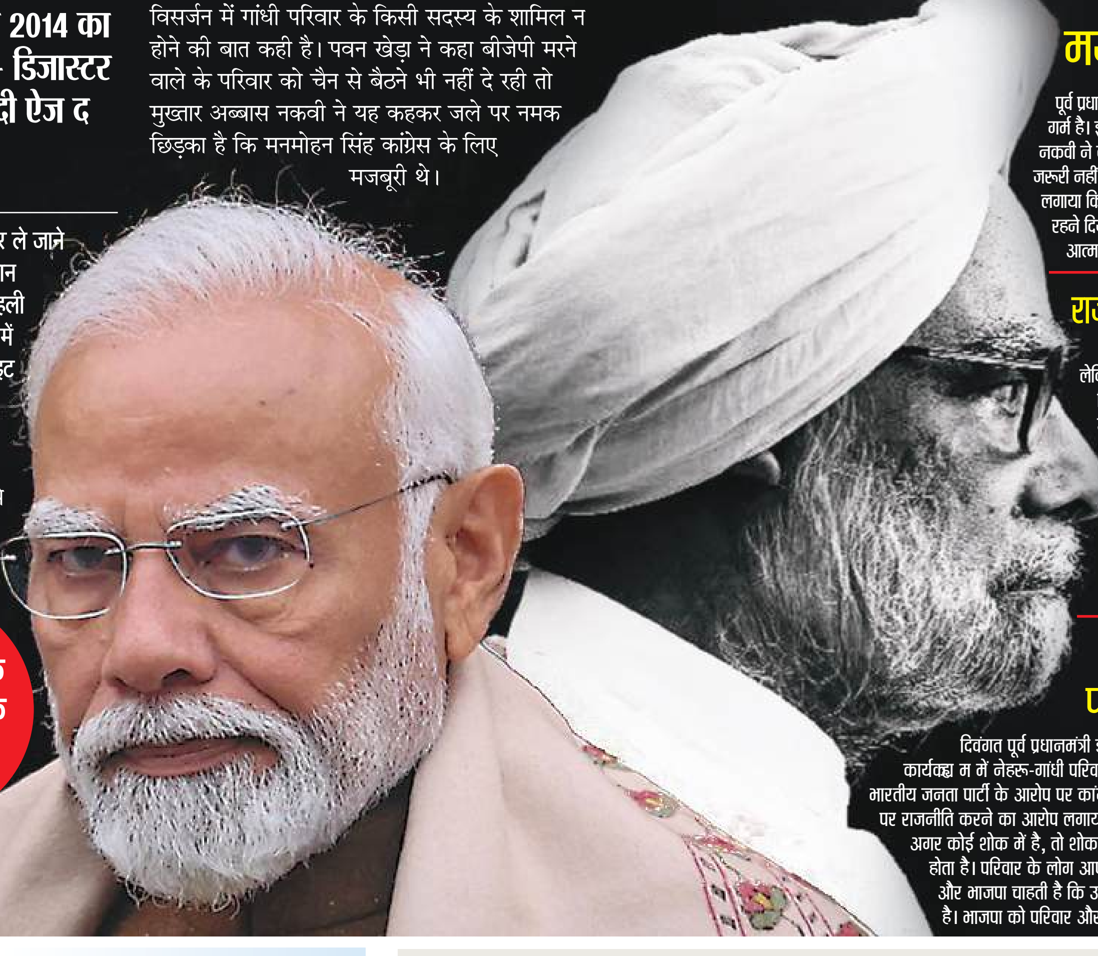

मनमोहन सिंह के निधन के बाद देश में उनके ऊपर हो रही सियासत

नई दिल्ली। भारत को आर्थिक शक्ति के रास्ते पर ले जाने वाले पूर्व पीएम मनमोहन सिंह का बयान बवाले जान बनता दिखाई दे रहा है। वर्ष 2014 में मोदी के पहली बार पीएम बनने के बाद पूर्व पीएम ने प्रेस कांफ्रेंस में बयान दिया था कि आई सिंसियरली बिलीव दैट इट विल बी डिजास्टर फॉर द कंट्री टू हैव नरेन्द्र मोदी ऐज द प्राइम मिनिस्टर।

दिवंगत पूर्व पीएम मनमोहन सिंह की कही हुई बातें और उनके देशहित में लिए गये फैसले आज भी जिंदा है। हर देश ने मनमहोन के निधन के बाद उनके सम्मान में कुछ न कुछ कहा। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने तो लंबा चौड़ा भाषण दिया और चिट्ठी भी लिखी। लेकिन उनके अपने देश में उनके ऊपर सियासत हो रही है। कांग्रेस का कहना है कि सरकार ने जमीन नहीं दी तो बीजेपी ने अस्थि विसर्जन में गांधी परिवार के किसी सदस्य के शामिल न होने की बात कही है। पवन खेड़ा ने कहा बीजेपी मरने वाले के परिवार को चैन से बैठने भी नहीं दे रही तो मुख्तार अब्बास नकवी ने यह कहकर जले पर नमक छिड़का है कि मनमोहन सिंह कांग्रेस के लिए मजबूरी थे।

मजबूरी थे मनमोहन : नकवी

पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के स्मारक पर सियासत गर्म है। इसी कड़ी में भाजपा के वरिष्ठ नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि मनमोहन सिंह कांग्रेस पार्टी के लिए कभी जरूरी नहीं बल्कि मजबूरी रहे। भाजपा नेता ने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि उसने मनमोहन सिंह को जीते-जी कभी चैन से नहीं रहने दिया। अब जब उनका निधन हो गया है तो उनकी आत्मा को बेचैन करने की कोशिश की जा रही है। यह अफसोस की बात है।

राजघाट पर होता आ रहा है अंतिम संस्कार

देश के प्रधानमंत्रियों का अंतिम संस्कार राजघाट पर किया जाता रहा है। लेकिन पूर्व पीएम मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार राजघाट पर न करके दिल्ली के कश्मीरी गेट स्थित निगम बोध घाट पर किया गया। यही नहीं उनके स्मारक के लिए जमीन का मामला भी कानूनी दांव पेच में उलझ रहा है। हालांकि सरकार की तरफ से अभी मना नहीं किया गया है लेकिन जमीन भी नहीं दी गयी है। आप पार्टी के संस्थापक केजरीवाल समेत सभी विपक्षी नेताओं ने इसे मरने के बाद मनमोहन सिंह के प्रति सरकारी असम्मान बताया है। कांग्रेसी नेता तारिक अनवर ने कहा है कि जो सरकार स्मारक के लिए जमीन देने में टाल–मटोल करे वह सम्मान की बात कर रही है। यह मजाक नहीं तो और क्या है।

मरने वाले के परिजनों को परेशान कर रही है बीजेपी : खेड़ा

दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के अस्थि विसर्जन कार्यक्ष्रम में नेहरू-गांधी परिवार के किसी सदस्य के शामिल नहीं होने के भारतीय जनता पार्टी के आरोप पर कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने केंद्र में सत्तारूढ़ दल पर राजनीति करने का आरोप लगाया। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने कहा, परिवार में अगर कोई शोक में है, तो शोक संतप्त परिवार को एक पर्सनल स्पेस भी चाहिए होता है। परिवार के लोग आपस में मिलकर शोक और दुख बांटना चाहते हैं और भाजपा चाहती है कि उस मौके पर कोई राजनीतिक दल जाए, यह बहुत ही अफसोस की बात है। भाजपा को परिवार और उनको जो पर्सनल स्पेस चाहिए उसकी कद्र नहीं है।

आतिशी और संजय सिंह के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराएंगे संदीप दीक्षित

» आप ने कांग्रेस नेता पर बीजेपी से धन लेने का लगाया था आरोप

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

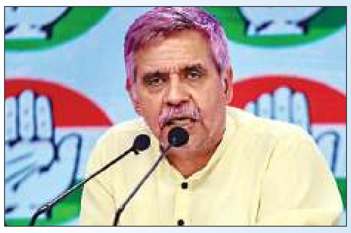

नई दिल्ली। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आप) के बीच बढ़ते विवाद के बीच नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस उम्मीदवार संदीप दीक्षित ने मंगलवार को कहा कि वह दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी और आप सांसद संजय सिंह के खिलाफ आपराधिक और नागरिक मानहानि का मामला दायर करेंगे।

यह कदम मतदान से ठीक पहले आतिशी द्वारा दीक्षित पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से धन लेने का आरोप लगाने के आरोपों के जवाब में उठाया गया है। संदीप दीक्षित ने कहा कि 5-6 दिन पहले दिल्ली की सीएम आतिशी ने कहा था कि मैं बीजेपी से बड़ी रकम ले रही हूं। पिछले 10-12 सालों से उन्होंने कांग्रेस, मुझे और मेरे परिवार को निशाना बनाया है। मेरे पास पिछले 10-12 वर्षों से आप से पूछने के लिए कई प्रश्न हैं...वह (अरविंद केजरीवाल) शीला दीक्षित सरकार के खिलाफ 360 पन्नों के सबूत लेकर घूमते थे।

योगी का ऑपरेशन संभल फेल

» संभल में हटी नहीं डटी सपा, हिंसा पीड़ितों को दिए पांच-पांच लाख रुपए

» नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने पुलिस की थ्योरी को नकारा

» यह सिर्फ शुरूआत है आगे भी जारी रहेगी मदद

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आखिरकार दो बार रोके जाने के बाद सपा का प्रतिनिधिमंडल संभल पहुंच ही गया। 11 सदस्यीय सपा नेताओं के प्रतिनिधिमंडल ने संभल में 24 नवंबर को हुई हिंसा के दौरान मारे गए पांच लोगों के परिजन को समाजवादी पार्टी की ओर से आर्थिक मदद के तौर पर पांच-पांच लाख रूपये के चेक सौंपे। इनमें चार मृतकों के परिजनों ने ही एफआईआर दर्ज करा रखी है। पुलिस रिकॉर्ड में चार मृतकों का ही उल्लेख है।

हिंसा के बाद पहली बार पहुंचे बर्क

प्रतिनिधिमंडल में शामिल स्थानीय सांसद जियाउर्रहमान बर्क हिंसा के बाद पहली बार संभल आए। सपा नेताओं ने पीड़ित स्वजन को सांत्वना देते हुए कहा कि पार्टी हर परिस्थिति में पीड़ितों के साथ खड़ी है। लोक निर्माण विभाग के गेस्ट हाउस में पहले से ही मृतक अयान, बिलाल अंसारी, रूमान, नईम औरै फ के स्वजन मौजूद थे। उन्हें चेक सौंपते हुए सपा नेताओं ने कहा कि यह मदद केवल आर्थिक सहायता नहीं है, आश्वासन दिया कि सपा उनके लिए हरसंभव मदद करेगी।

सपा ने बांटे चेक

> “हमारे लोगों की हत्या हुई और हमारे लोगों के खिलाफ ही प्राथमिकी दर्ज हुई। यह कैसा इंसाफ है? मुझ समेत मेरे पिता ममलूकुर्रहमान बर्क और विधायक इकबाल महमूद के बेटे के खिलाफ भी प्राथमिकी दर्ज हुई।
>
> जियाउर्रहमान बर्क, सांसद, संभल

नेता प्रतिपक्ष ने उठाये सवाल?

नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडे ने पुलिस की थ्योरी को नकारते हुए कहा है कि जब अवैध असलहा पकड़े जाते हैं, तो पुलिस उन्हें मालखाने से निकाल लेती है। और हिंसा के दौरान उन असलहों का इस्तेमाल किया जाता है। बाद में पुलिस बहाना बना देती हैं कि मृतक पुलिस की गोली से नहीं मारा गया। न्यायिक आयोग व पुलिस की जांच के बारे में उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी इसे सदन में रखने की बात कह चुके हैं।

भाजपा से दुखी और अपमानित लोग सपा के साथ: अखिलेश

» सपा का भाजपा की केंद्र व राज्य सरकारों पर हमला

» बोले सपा प्रमुख- सीएम योगी के पास कोई विजन नहीं

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख व यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने एकबार फिर भाजपा की केंद्र व राज्य सरकारों पर हमला बोला है। हालांकि सपा मुखिया के निशाने पर यूपी सीएम अखिलेश यादव ज्यादा रहे। उन्होंने कहा योगी आदित्यनाथ धार्मिक सीएम तो हैं, पर विजिनरी (दूरगामी सोच वाले) नहीं। सपा सरकार ने इंफ्रास्ट्रक्च के विकास, शिक्षा व स्वास्थ्य सुविधाओं के लिहाज से मॉडल पेश किए।

पीडीए यानी पिछड़े, दलित व अल्पसंख्यक या कहें पीड़ित, दुखी और अपमानित लोग सपा के साथ हैं। ढांचागत सुविधाओं का विकास करने में सरकार विफल रही है। कल्याणकारी योजनाओं में कोई नया प्रयोग नहीं कर पाई। कार्यकाल के आठवें साल में निवेशकों के लिए जमीन जुटाने की बात कर रही है। स्वास्थ्य, शिक्षा और कानून-व्यवस्था, सब लिहाज से भाजपा सरकार फ्लॉप साबित हुई है। हरियाणा में भाजपा ने अन्य प्रत्याशियों पर भी फंड लुटाया। महाराष्ट्र में अपने दल के एक भी विद्रोही को चुनाव मैदान में नहीं उतरने दिया। यूपी चुनाव के मद्देनजर अभी से अपनी उपलब्धियां बताने से ज्यादा विरोधियों की इमेज खराब करने के लिए सरकार बजट खर्च कर रही है। इन सबसे पीडीए ने सबक लिया है और अब जवाब देने को तैयार है।

बिहार चुनाव बाद नीतीश कुमार को सीएम नहीं बनायेगी भाजपा

बिहार का चुनाव भाजपा वहां के सीएम नीतीश कुमार का नाम आगे रखकर लड़ेगी। लेकिन, चुनाव बाद नीतीश कुमार को किसी भी हालत में सीएम नहीं बनाया जाएगा। शपथ कोई और लेगा। इंडिया गठबंधन में शामिल दल अपने-अपने राज्यों में मजबूत हैं। नेतृत्व का सवाल जब चाहेंगे, मिल-बैठकर तय कर लेंगे। संभल में जानें गईं। इसलिए लोकसभा में यह मुद्दा उठाना ज्यादा जरूरी था। इस सरकार में बेजा लाभ लेने वाले 100-200 उद्योगपति हैं। इसलिए किसी एक उद्योगपति के बजाय सभी पर बात होनी चाहिए। वर्ष 2023-24 में सबसे ज्यादा चंदा भाजपा को मिला। जनता सब देख रही है।

मुफ्त राशन लेने वाले 80 करोड़ लोगों की प्रति व्यक्ति आय बताए सरकार

सरकार बताए कि मुफ्त राशन लेने वाले 80 करोड़ लोगों की प्रति व्यक्ति आय क्या है? इससे तय होगा कि मस्तक कितना ऊंचा हुआ। टॉप के 10 फीसदी लोगों की आय जोड़कर सबकी प्रति व्यक्ति आय न बताई जाए।

2027 में सदन सपा सदस्यों से भर जाएगा

सपा मुखिया ने कहा कि वर्ष 2027 में सदन सपा सदस्यों से भर जाएगा। सपा सुप्रीमो मायावती जमीन पर ज्यादा रुचि लेते हुए नहीं दिख रही हैं। हम कवर करने के लिए देश-दुनिया के मीडिया का आह्वान करेंगे, ताकि सब देख लें कि यहां चुनाव किस तरह से होते हैं। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष में कोई बदलाव नहीं करेंगे? ब्राह्मण विरोधी ऐसा प्रचारित कर रहे होंगे।

यूपी भाजपा के नए प्रदेश अध्यक्ष को लेकर चर्चा

» बनाए गए 751 मंडल अध्यक्ष

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधानसभा उपचुनाव में पिछड़ों और दलितों के मिले समर्थन से मिली जीत से उत्साहित भाजपा ने संगठन के चुनाव में भी इन दोनों समुदायों को खास तरजीह दी है। संगठन के चुनाव के तहत पार्टी के प्रदेश नेतृत्व ने सोमवार को 1819 मंडल में 751 मंडल अध्यक्षों की सूची जारी कर दी है। इसमें पिछड़ी और दलित जाति की भागीदारी पर खास फोकस किया गया है। हालांकि इस बार कई जिलों में सामान्य जाति को भी जातीय समीकरण के लिहाज से स्थान दिया गया है।

अलबत्ता आधी आबादी की संख्या कुछ कम है। शेष मंडल अध्यक्षों की सूची भी अगले दो-तीन दिनों में जारी कर दी जाएगी। इसके बाद जिलाध्यक्षों के चुनाव की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। सूत्रों के मुताबिक कई जिलों में मंडल अध्यक्ष के चुनाव में आपसी सहमति न बन पाने की वजह से सूची फाइनल नहीं हो पाई है। बता दें कि मंडल अध्यक्षों के चुनाव के लिए 15 दिसंबर और जिलाध्यक्षों के चुनाव के लिए 31 दिसंबर तक की समय सीमा तय की गई थी, लेकिन तमाम जिलों में मंडल अध्यक्ष पद को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं में आपसी खींचतान की स्थिति की वजह से समय से चुनाव संपन्न नहीं हो पाए हैं। पार्टी सूत्रों के मुताबिक प्रदेश नेतृत्व को अब तक 1023 मंडलों से ही

प्रदेश कार्यालय
भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश
7-विधानसभा मार्ग लखनऊ

अध्यक्षों के नाम के पैनल मिले हैं। इनका परीक्षण करने के बाद ही 751 मंडल अध्यक्षों की सूची जारी की गई है। मंडल अध्यक्ष की घोषणा के साथ ही अब प्रदेश में जिलाध्यक्ष के चुनाव होंगे। सूत्रों का कहना है कि मंडल अध्यक्ष के चुनाव में देर होने की वजह से अब जिलाध्यक्षों का चुनाव 15 जनवरी तक हो पाने की संभावना है।सूत्रों का कहना है कि मंडल और जिलाध्यक्षों के चुनाव की प्रक्रिया के बीच नए प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव को लेकर भी मंथन शुरू हो गया है। हालांकि इस पद पर चुनाव महीने के अंत तक होने की संभावना है। सूत्रों का कहना है कि शीर्ष स्तर पर इस बार प्रदेश अध्यक्ष के लिए पिछडे और दलित के साथ ही ब्राम्हण चेहरे पर भी चर्चा हुई है। दलित चेहरों में पूर्व एमएलसी विद्यासागर सोनकर का नाम सबसे ऊपर है। इनके अलावा सांसद रामशंकर कठेरिया और विनोद सोनकर का नाम भी चर्चा में हैं। जबकि पिछड़े चेहरे के तौर पर अमरपाल मौर्या, बीएल वर्मा, बाबूराम निषाद और ब्राम्हण चेहरे के तौर पर राज्यसभा सदस्य दिनेश शर्मा और बसपा से भाजपा में आए हरीश द्विवेदी के नाम सामने आ रहे हैं।

दिल्ली में डोर-टू-डोर जनसंपर्क अभियान चलाएगी बसपा

» मायावती ने बैठककर दिए कार्यकर्ताओं को निर्देश

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। दिल्ली के विधानसभा चुनावों में बसपा बदले अंदाज में चुनाव प्रचार करती हुई दिखेगी। बहुजन समाज पार्टी दिल्ली विधानसभा चुनाव में अपना जनाधार बढ़ाने के लिए डोर-टू-डोर जनसंपर्क अभियान चलाएगी।

बसपा सुप्रीमो मायावती ने दो दिन पहले दिल्ली चुनाव को लेकर आयोजित बैठक में अभियान चलाने के साथ कैडर कैंप आयोजित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने दिल्ली चुनाव की कमान पार्टी के नेशनल कोऑर्डिनेटर आकाश आनंद को सौंपी है। सूत्रों के मुताबिक बसपा सुप्रीमो ने निर्देश

दिया है कि दिल्ली में दलित बस्तियों और कॉलोनियों में पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता घर-घर जाकर बसपा की नीतियों के बारे में बताएं। संविधान और आरक्षण को लेकर भाजपा और कांग्रेस के छलावे की राजनीति से जनता को अवगत कराएं। इसके अलावा कैडर कैंप, कार्यकर्ता सम्मेलन और बैठकों का आयोजन कर दलितों और बहुजन समाज को बसपा के साथ जोड़ें। उन्हें भरोसा दें कि बसपा की सरकार बनने पर दलितों को सरकारी नौकरी दी जाएगी। सफाई का काम करने वाले लोगों को मुफ्त सेफ्टी किट वितरित की जाएगी।

प्रदेश में पुलिस करा रही नशे का कारोबार: अजय राय

» यूपी कांग्रेस अध्यक्ष ने सीएम योगी को लिखी चिट्ठी

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने सीएम योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखा है। अजय राय ने यह चिट्ठी नशीले पदार्थों को लेकर लिखी है। सीएम योगी को लिखे पत्र में अजय राय ने बड़ा आरोप लगाते हुए प्रदेश में ड्रग्स और मादक पदार्थों की बढ़ती बिक्री पर गंभीर सवाल उठाया है। उन्होंने इसे प्रशासनिक विफलता और पुलिस तंत्र की लापरवाही करार दिया है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने बड़ा आरोप लगाते हुए प्रदेश के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में ड्रग्स और अन्य मादक पदार्थों की खुली बिक्री और उसके बढ़ते इस्तेमाल पर गंभीर चिंता जताई है। अजय राय ने अपने पत्र में इस मुद्दे को लेकर प्रदेश सरकार से हस्तक्षेप करने की अपील की और उम्मीद जताई कि प्रशासन जल्द ही इस गंभीर समस्या का समाधान करेगा।

आम जनमानस को सारी जानकारी, पुलिस को नहीं

अजय राय ने लिखा है कि शहरों और गांवों की किस गली में कौन सा नशा उपलब्ध है इसकी जानकारी आम जनमानस को है लेकिन पुलिस को नहीं है, यह सब पुलिस के संरक्षण में हो रहा है। तमाम प्रतिष्ठित अखबारों में इस गंभीर मामले की रिपोर्ट और खबरें लगातार छप रही हैं, पूरा प्रदेश इन बातों से वाकिफ है सिर्फ प्रदेश के पुलिस तंत्र को ही कुछ खबर नहीं है।

चिट्ठी में ये लिखा

उन्होंने लिखा है कि प्रदेश का नौजवान और गरीब तबका सर्वाधिक शिकार हो रहा है। जिस नौजवान को प्रदेश के विकास में हिस्सेदार बनना है वह नशे की गिरफ्त में आकर अपना और प्रदेश का भविष्य खराब कर रहा है। गरीब तबका जो दिनभर मजदूरी और मेहनत करके किसी तरह इस महंगाई में अपने परिवार का पेट पाल रहा है। वह भी नशे की गिरफ्त में आकर अपना परिवार तबाह कर रहा है। चिट्ठी में उन्होंने आगे लिखा, या यूं कहें कि इतने संगीन मसले पर भी प्रशासन और पुलिस तंत्र ने कुंभकर्णी नींद अख्तियार कर ली है। अपेक्षा है कि आप उक्त विषय पर हस्तक्षेप कर तत्काल कठोर कार्रवाई करें ताकि हमारी आने वाली पीढ़ियों को नशे के दलदल में जाने से बचाया जा सके।

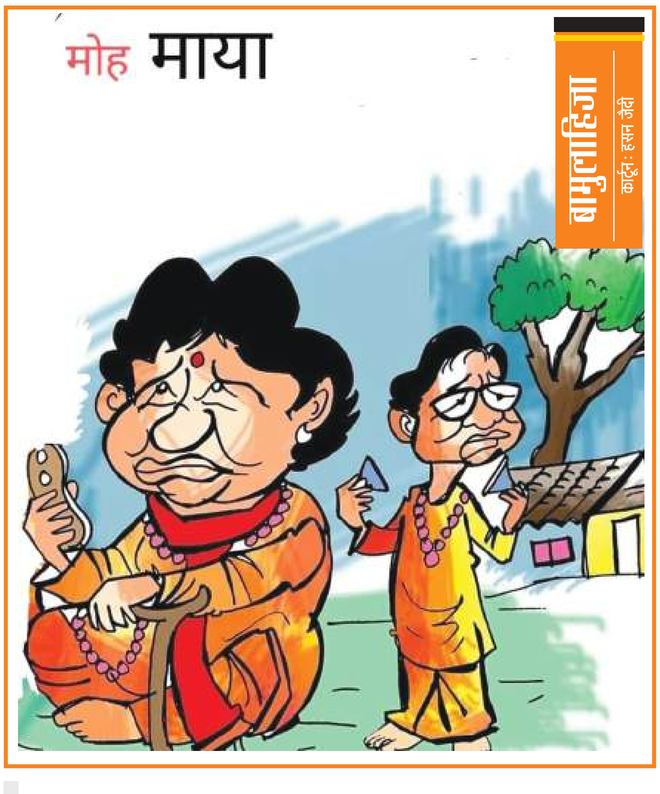

बीजेपी का भ्रष्टाचारी चेहरा सामने आया: जीतू पटवारी

» बोले- सौरभ शर्मा की हो सकती है हत्या

» गिरफ्तारी हुई तो कई चेहरे होंगे बेनकाब

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। राजधानी भोपाल में मिले 52 किलो सोना और 10 करोड़ नगद मामले में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा है कि आरटीओ के पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा की हत्या हो सकती है। क्योंकि वह जब भी सामने आएगा, कई लोगों के चेहरे बेनकाब होंगे। इसलिए सरकार को चाहिए कि उसकी गिरफ्तारी कर उसे सुरक्षा दे और भ्रष्टाचार का सच सामने लाए।

सौरभ शर्मा के वकील भी उनके एनकाउंटर की आशंका जता चुके हैं।

पटवारी ने भोपाल में मीडिया से बात करते हुए कहा कि बीजेपी के राज में भ्रष्टाचारी चेहरा कैसा होता है, यह दिखने लगा है। जनता को साफ हो गया है कि यह करप्शन, क्राइम, कर्ज और कमीशन की सरकार है। उन्होंने कहा कि सौरभ शर्मा की हत्या हो सकती है, यह बात मैं पहले भी कह चुका हूं, जब सौरभ के भ्रष्टाचार का खुलासा हुआ था। अब फिर इस आशंका को दोहरा रहा हूं। पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने कहा कि यह लूट के पैसे की लड़ाई है।

R3M EVENTS
ACTIVATION · EVENTS · EXHIBITION
R3M EVENTS
4/725 Vaibhav Khand, Gomti Nagar, Lucknow
E-mail: rajendra@r3mevents.com, **Mob : 095406 11100**

केजरीवाल को योजनाओं का ओट, दिलाएंगे वोट!

चुनावी वादों ने कांग्रेस व भाजपा की दी चोट

आप सरकार ने जनता के लिए खोला खजाना

- आम आदमी पार्टी ने विपक्ष पर किया प्रहार
- इंडिया गठबंधन से कांग्रेस को निकालने की मांग की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली में अगले साल यानी 2025 में विधान सभा चुनाव होने हैं। उससे पहले वहां की सारी सियासी पार्टियां अपने-अपने स्तर से जनता से जुड़ने के लिए योजना बनाने लगी हैं। जहां सत्ता पर काबिज आम आदमी पार्टी चुनावी प्रचार के साथ-साथ लोकलुभावन चुनावी वादे करने में अन्य दलों से आगे निकल गई हैं वहीं भाजपा व कांग्रेस पर हमला करने से भी चूक नहीं रही है। आप संयोजक अरविंद केजरीवाल व सीएम आतिशी महिला, बुजुर्ग, छात्र से लेकर धर्मगुरुओं तक साधने में लग गए हैं। आप ने अपने विपक्षी पार्टी पर हमला करते हुए यहां तक कह दिया कि कांग्रेस को इंडिया गठबंधन से बाहर कर दिया जाए।

हालांकि सियासी जानकारों का कहना है कि कांग्रेस को बाहर करने की आप की मांग निराधार है। उधर वह अपने सबसे बड़े सियासी प्रतिद्वंद्वी भाजपा पर हमले का कोई भी मौका नही छोड़ रहे हैं। जहां एलजी द्वारा महिलाओं के लिए शुरू की योजना पर टिप्पणी को लेकर आप ने भाजपा पर वार करते हुए यह कहना शुरू कर दिया है कि मोदी सरकार दिल्ली में विकास नहीं चाहती है और आप की योजनाओं से डर गइ है। दिल्ली में लगातार विधानसभा का चुनाव जीत रही आम आदमी पार्टी ने अब विपक्षी इंडिया गठबंधन से कांग्रेस को ही बाहर निकालने की मांग कर दी है। हालांकि केजरीवाल की पार्टी की इस बेतुकी मांग पर अभी इंडिया गठबंधन में शामिल अन्य विपक्षी दलों की कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है लेकिन वास्तविकता तो सभी नेता जानते हैं। यहां तक कि विपक्षी गठबंधन से कांग्रेस को बाहर निकालने की मांग करने वाली आम आदमी पार्टी के नेता भी इस बात को बखूबी जानते हैं कि कांग्रेस को विपक्षी गठबंधन से बाहर भगाना संभव नहीं है। विडंबना देखिए कि, जिस विपक्षी इंडिया गठबंधन का गठन ही केंद्र से नरेंद्र मोदी सरकार को हटाने के लिए किया गया है। उस गठबंधन में लोकसभा में 3 सीट की हैसियत रखने वाली आम आदमी पार्टी 99 लोकसभा सांसदों वाली कांग्रेस पार्टी को गठबंधन से बाहर निकालने की बेतुकी मांग कर रही है।

आम आदमी पार्टी चुनावी प्रचार के साथ-साथ लोकलुभावन चुनावी वादे करने मे अन्य दलों से आगे

क्या आप डरा रहा हार का डर

ऐसे में सवाल यह खड़ा हो रहा है कि देश की वास्तविक राजनीतिक परिस्थिति को समझने के बावजूद आम आदमी पार्टी इस तरह की बेतुकी मांग क्यों कर रही है ? इसके पीछे सबसे बड़ी वजह, दिल्ली में होने वाला विधानसभा चुनाव है। कहने को तो आप की सरकार दिल्ली और पंजाब यानी देश के दो राज्यों में है। ताकत और कामकाज के मामले में केंद्र सरकार के हस्तक्षेप से मुक्त होने के कारण पंजाब में सरकार होने का अपना फायदा है लेकिन दिल्ली में उपराज्यपाल के ज्यादा मजबूत होने के बावजूद, यह राज्य केजरीवाल के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। दिल्ली की हार केजरीवाल की पार्टी के अस्तित्व पर ही सवालिया निशान लगा देगी। अगर आप दिल्ली की सत्ता से बाहर हुई तो पार्टी में एक बड़ी टूट होने का भी खतरा पैदा हो सकता है और इसी डर ने आप के नेताओं को बुरी तरह से डरा दिया है। ऐसे में सवाल यह खड़ा हो रहा है कि दिल्ली में लगातार तीन विधानसभा चुनावों में जीत हासिल कर, सरकार बनाने वाली आप को हार का डर क्यों सताने लगा है ? वर्ष 2020 में हुए पिछले विधानसभा चुनाव में 70 में से 62 सीटें और वर्ष 2015 के विधानसभा चुनाव में 70 में से 67 सीटें जीतने वाली आप को इस बार हार का डर क्यों सताने लगा है ?

कांग्रेस उलझन और ऊहापोह की स्थिति में

कांग्रेस उलझन और ऊहापोह की स्थिति के कारण अपने इसी वोट बैंक को पूरी तरह से आम आदमी पार्टी से छीन नहीं पा रही थी क्योंकि कांग्रेस के नेताओं को समझ ही नहीं आ रहा था कि वे आप को दोस्त माने या दुश्मन। दिल्ली में लड़ रहे कांग्रेसी नेताओं का भी अपने ऊपर से भरोसा ही उठ गया था कि वे केजरीवाल से लड़ भी सकते हैं और यही बात आम आदमी पार्टी के लिए सबसे बड़ा वरदान था। लेकिन इस बार जिस अंदाज में अजय माकन ने सीधे-सीधे अरविंद केजरीवाल पर हमला बोला,युवा कांग्रेस ने संसद मार्ग थाने जाकर उनके खिलाफ शिकायत दी और कांग्रेस ने नई दिल्ली विधानसभा सीट पर अरविंद केजरीवाल के खिलाफ संदीप दीक्षित को चुनावी मैदान में उतार दिया, उससे आप के मुखिया बुरी तरह से डर गए हैं। आप को यह लगने लगा है कि अगर कांग्रेस दिल्ली में पूरी ताकत से विधानसभा का चुनाव लड़ती है तो आप के लिए चुनाव जीतना मुश्किल ही नहीं नामुकिन हो जाएगा। यह भी कहा जा रहा है कि नई दिल्ली के मतदाताओं को यह लगने लगा है कि उन्होंने शीला दीक्षित को 2013 में विधानसभा चुनाव में हराकर गलती की थी और अब वह उनके बेटे संदीप दीक्षित को जीताकर अपनी 2013 की गलती का प्रायश्चित 2025 में करना चाहती है। अरविंद केजरीवाल अगर खुद की विधानसभा सीट हार जाते हैं तो उनके लिए इससे ज्यादा शर्मनाक कुछ और नहीं हो सकता है। इसलिए उन्होंने राहुल गांधी, अजय माकन, कांग्रेस नेताओं और कांग्रेस उम्मीदवारों के दिलों-दिमाग पर मनोवैज्ञानिक दबाव डालने के लिए यह बेतुकी मांग करनी शुरू कर दी है। यहीं पर राहुल गांधी की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। यह देखना होगा कि दिल्ली में कांग्रेस को मजबूत बनाने के मिशन में जुटे नेताओं का राहुल गांधी खुल कर और पूरी मजबूती के साथ, साथ दे पाते हैं या नहीं?

2013 में आप बना था राजनीतिक दल

वर्ष 2013 में दिल्ली में अपना पहला विधानसभा चुनाव लड़ने वाली आम आदमी पार्टी ने एक रणनीति के तहत पार्टी के नाम और चुनाव चिन्ह झाड़ू का चयन किया था। उस समय यूपीए सरकार के अंदर से लगातार आ रहे घोटालों और भ्रष्टाचार को बड़ा मुद्दा बनाते हुए केजरीवाल ने कांग्रेस के वोट बैंक में भी सेंध लगा दिया था। अपने पहले ही चुनाव में आप ने दिल्ली की 70 में से 28 सीटों पर जीत हासिल करके सबको चौंका दिया था। 2013 के उस चुनाव में अंदरखाने आप की मदद कर, शीला दीक्षित को हराने में बड़ी भूमिका निभाने वाले कुछ कांग्रेसी नेताओं ने दिल्ली कांग्रेस नेताओं के मना करने के बावजूद आप को समर्थन देकर , केजरीवाल को मुख्यमंत्री बना दिया। इसका नतीजा यह हुआ कि कांग्रेस लगातार कमजोर होती चली गई। कांग्रेस के वोट बैंक पर पूरी तरह से आम आदमी पार्टी ने कब्जा कर लिया। शीला दीक्षित ने अपने 15 वर्षों के कार्यकाल में दिल्ली में कांग्रेस के पक्ष में एक मजबूत वोट बैंक तैयार कर दिया था। उन्होंने दिल्ली में रहने वाले बिहार और उत्तर प्रदेश के लोगों को मजबूती से कांग्रेस के साथ जोड़ दिया था। झुग्गी-झोपड़ी में रहने वाले लोगों के साथ-साथ मुसलमान भी मजबूती से कांग्रेस के साथ जुड़ गए थे। लेकिन धीरे-धीरे इन सभी मतदाताओं को आप ने अपने पाले में कर लिया। केजरीवाल ने मुफ्त बिजली और पानी देकर दिल्ली के झुग्गीवासियों और मिडिल क्लास को साध लिया। फ्री डीटीसी सफर की सुविधा देकर महिला मतदाताओं को लुभा लिया। इसके साथ ही उन्होंने दिल्ली में रहने वाले बिहार और यूपी के लोगों को भी तवज्जों देकर एक मजबूत वोट बैंक तैयार कर लिया। भाजपा को हराने के नाम पर मुस्लिम मतदाता भी केजरीवाल के साथ जुड़े गए।

भाजपा के हथकंडे दिल्ली में नहीं चलेंगे : केजरीवाल

आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने एक बार फिर भाजपा पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि भाजपा किसी भी तरह से चुनाव जीतना चाहती है, चाहे बेईमानी से ही क्यों न हो। लेकिन, दिल्ली की जनता ऐसा नहीं होने देगी। हरियाणा और महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में उन्होंने जो हथकंडे अपनाए थे। हम उन्हें उस हथकंडे का इस्तेमाल करके यहां जीतने नहीं देंगे। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने एक बार फिर से भाजपा पर वोट कटवाने का आरोप लगाया है। उन्होंने दावा किया कि नई दिल्ली विधानसभा में भाजपा वोट कटवाने के साथ फर्जी नाम जुड़वाने की कोशिश कर रही है। केजरीवाल ने कहा कि भाजपा ने मात्र 15 दिनों में 5 हजार से ज्यादा नाम कटवाने और 7.5 हजार नाम जुड़वाने के लिए आवेदन दिया है। जब चुनाव आयोग दो महीने तक घर-घर जाकर वोट बनाए तो अब 15 दिनों में हजारों लोग कहां से आ गए। भाजपा बाहर से लोगों को लाकर उनके फर्जी वोट बनवा रही है। उन्होंने कहा कि जिला चुनाव अधिकारी को पत्र लिखकर पिछले दो महीने में नाम कटवाने के लिए आए आवेदन की जांच सभी दलों की मौजूदगी में एसडीएम से कराने की मांग की। केजरीवाल ने कहा कि भाजपा जीतने के लिए आप समर्थकों का वोट कटवाने, फर्जी वोट बनवाने के साथ वोट के लिए पैसे दे रही है। कुछ समय पहले शाहदरा में 11008 वोट काटने के लिए आवेदन दिया था, लेकिन मुख्य चुनाव अधिकारी के हस्तक्षेप से प्रक्रिया रुकी। वहीं आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने आरोप लगाया कि भाजपा उनकी पत्नी का नाम नयी दिल्ली विधानसभा क्षेत्र की मतदाता सूची से हटवाने का प्रयास कर रही है। दिल्ली विधानसभा चुनाव फरवरी में प्रस्तावित हैं। पत्नी अनीता सिंह के साथ संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए आप के वरिष्ठ नेता संजय सिंह ने आरोप लगाया कि भाजपा दिल्ली में बसे पूर्वांचली लोगों के नाम हटाने की कोशिश कर रही है। सिंह और उनकी पत्नी पूर्वी उत्तर प्रदेश से ताल्लुक रखते हैं। पूर्वांचली पूर्वी उत्तर प्रदेश और बिहार के लोग हैं, जो दशकों से दिल्ली में बसे हैं और शहर में मतदाताओं का एक बड़ा हिस्सा हैं। संजय सिंह ने दावा किया कि आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल के प्रतिनिधित्व वाली नयी दिल्ली सीट की मतदाता सूची से उनकी पत्नी का नाम हटाने के लिए 25 और 26 दिसंबर को दो आवेदन दायर किए गए थे। उन्होंने दावा किया कि दिल्ली में मतदाता सूची से पूर्वांचली मतदाताओं के नाम हटाए जाने का मुद्दा राज्यसभा में उठाने के लिए भाजपा उन्हें ''सबक'' सिखाने की कोशिश कर रही है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

विमान हादसों ने फिर उठाया सुरक्षा पर सवाल!

> **“ वर्ष के अंत में दो भीषण विमान दुर्घटनाओं ने हवाई यात्रा की सुरक्षा पर सवाल उठाए हैं। कजाकिस्तान में अजरबैजान के विमान और दक्षिण कोरिया में दुर्घटनाग्रस्त विमान ने क्रमश: 38 और 179 लोगों की जान ले ली। हादसों के कारण और बचाव की समीक्षा में जांच जारी है। पर जहां दुनिया एआई तकनीकि व डिजिटली विकसित होने का दंभ भर रही ऐसे में ये हादसे दुनिया की तकनीकी विकास पर सवाल उठा रहे हैं।**

2024 जाते-जाते पूरी दुनिया को विमान हादसे की वजह से रूला गया। 29 दिसंबर को कई देशों में हवाई दुर्घटना की खबरें आईं। सबसे हृदय विदारक खबर दक्षिण कोरिया की रही जहां 179 यात्री काल के गाल में समा गये, उसी दिन नेपाल, कनाडा में भी दुर्घटनाएं हुई पर कोई मृत्यु नही हुई। इससे पहले कजाकिस्तान में अजरबैजान का विमान हादसे का शिकार हुआ। वर्ष के अंत में दो भीषण विमान दुर्घटनाओं ने हवाई यात्रा की सुरक्षा पर सवाल उठाए हैं। कजाकिस्तान में अजरबैजान के विमान और दक्षिण कोरिया में दुर्घटनाग्रस्त विमान ने क्रमश: 38 और 179 लोगों की जान ले ली। हादसों के कारण और बचाव की समीक्षा में जांच जारी है। पर जहां दुनिया एआई तकनीकि व डिजिटली विकसित होने का दंभ भर रही ऐसे में ये हादसे दुनिया की तकनीकी विकास पर सवाल उठा रहे हैं। साल के आखिरी दिनों में हुई दो भीषण विमान दुर्घटनाओं के कारण जहां दुनिया भर में शोक की लहर है, वहीं इस वजह से हवाई यात्रा की सुरक्षा से जुड़े सवाल भी केंद्र में आ गए हैं।

कजाकिस्तान में बुधवार को लैंडिंग करते हुए अजरबैजान के विमान के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से 38 लोगों की मौत हुई तो रविवार को दक्षिण कोरिया में हुए हादसे में 179 लोगों के मारे जाने की खबर है। साउथ कोरिया के मुआन में हुए हादसे में जिस तरह से लैंडिंग का प्रयास करते हुए विमान कुछ सेकंड के अंदर ही लपटों से घिरा नजर आया, वह किसी का भी दिल दहला सकता है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, लैंडिंग से कुछ ही पहले विमान के पिछले हिस्से से एक पक्षी टकराया था। कहा जा रहा है कि शायद इसी वजह से लैंडिंग गियर में खराबी आ गई। लेकिन कई जानकार इससे सहमत नहीं हैं। संभव है कि हादसे की जांच से कुछ और तथ्य सामने आने के बाद इस पहलू पर और रोशनी पड़े। इस बीच अजरबैजान विमान हादसे को लेकर हो रहे अलग-अलग दावों के बीच रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पूतिन की माफी ने सस्पेंस को पूरी तरह खत्म किए बगैर संदेहों को और गहरा कर दिया है। पूतिन ने अपने माफीनामे में यह तो कहा कि जब वह विमान कजाकिस्तान में लैंड कर रहा था तब यूक्रेनी ड्रोन हमलों के मद्देनजर रूसी डिफेंस सिस्टम एक्टिव था, पर यह स्वीकार नहीं किया कि वह विमान इसी सिस्टम का टारगेट बना। हालांकि हवाई दुर्घटनाओं के मामले में साउथ कोरिया का रेकॉर्ड अच्छा माना जाता रहा है। यह पिछले एक दशक में हुई साउथ कोरियन एयरलाइन की पहली बड़ी दुर्घटना है। साल के आखिर में हुए हादसे के बाद अब दुनिया के विमानन से जुड़े हुए लोगों को आने वाले साल में ऐसी व्यवस्था बनाने पर जोर देना चाहिए जिसमें ऐसे हादसे का गुजांइश न के बराबर हो।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

साझी विरासत को सम्मान देती सोच से लें सीख

☐☐☐ ज्योति मल्होत्रा

डॉक्टर मनमोहन सिंह के निधन के बाद के कुछ घंटों में, कांग्रेस नेता मनीष तिवारी के लेख और साथी पत्रकार प्रदीप मैगजीन की सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में विचार व्यक्त किए हैं कि किसलिए मीडिया के एक हिस्से ने 2014 में गैर-जिम्मेदाराना हरकतों को अपनाया था- जब वह उनके प्रधानमंत्रित्व काल के अंतिम महीनों में भले मानस डॉक्टर साहिब के पीछे बेहद अजीब तरीके से पड़ गया था। एक्स प्लेटफार्म पर आई मैगजीन की बहुत सटीक टिप्पणी, काफी कुछ कह गई ‘वह भयानक अहसास- भारत को मनमोहन सिंह को बदनाम करने के अपराध बोध के साथ जीना होगा’। हममें से जिन लोगों ने 2012-2014 के बीच इस निष्ठुर कथानक को घटते देखा होगा, इसकी आलोचना न करने के कारण इस बदनामी अभियान के भागीदार रहे, इस बारे में कोई मुगालता न रहे। हमने भवन को टुकड़े-दर-टुकड़े भरभराते देखा।

हमने देखा कि कैसे राहुल गांधी ने 2013 में प्रेस क्लब ऑफ इंडिया में उस अध्यादेश को फाड़ दिया था, जिसे मनमोहन सिंह दोषी राजनेताओं को अस्थायी संरक्षण देने के लिए सदन में पास करवाना चाह रहे थे -यह तब हुआ जब भाजपा पहले से डॉ. सिंह पर गांधी परिवार की ‘कठपुतली’ होने का इल्जाम लगाती आई थी। हमने देखा कि भाजपा ने उसके बाद वाले शीतकालीन संसद सत्र में कामकाज चलने नहीं दिया था और भाजपा नेता अरुण जेटली ने आक्रामक रूप से सदन ठप करने के लिए अपनी पार्टी का बचाव किया। इससे पहले 2008 में, प्रेस गैलरी से हमने देखा था कि कैसे भाजपा ने संसद में भारत-अमेरिका परमाणु समझौते के पक्ष में प्रधानमंत्री को बोलने नहीं दिया और सदन उस वक्त लगभग ठप हो गया था जब कथित तौर पर सांसदों को एकतरफा वोट देने के एवज में दी गयी नकदी बरामद हुई। बेशक यूपीए के पास संख्या बल था, इसलिए मतदान में जीत मिली- और जॉर्ज बुश के साथ परमाणु समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।

सीपीआई के प्रकाश करात सहित अधिकांश लोगों ने यह समझने की बिल्कुल भी जहमत नहीं उठाई कि परमाणु समझौता वास्तव में है क्या- यह किसी विदेशी शक्ति के अधीन काम करने के बारे में कभी भी नहीं था, बल्कि वैश्विक जिम्मेदारी की पुन: पुष्टि को लेकर था, यह भी कि इससे अमेरिका के साथ रिश्ते सहज होने से विदेशी निवेश के दरवाजे खुलेंगे, जिसकी भारत को सख्त जरूरत थी, ताकि वह अपना भाग्य फिर से गढ़ सके। चीनी नेता देंग का वह पसंदीदा नारा याद कीजिये? ‘जब तक बिल्ली चूहे पकड़ने लायक है, तब तक आप यह नहीं पूछते कि वह काली है या सफेद’? चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव और राष्ट्रवादी निश्चित रूप से पश्चिमी देशों के साथ साझेदारी बनाने में चीन की जरूरत का जिक्र कर रहे थे, क्योंकि विदेशियों के पास चीन में निवेश करने की क्षमता थी। अगर चीन अपने वैचारिक दुश्मन को गले लगाने की आवश्यकता समझ सका, तो प्रकाश करात क्यों नहीं? डॉ. मनमोहन सिंह को यह सवाल पूछना चाहिए था - या कम से कम तब पीएमओ में राज्य मंत्री और उनके आंख-कान रहे पृथ्वीराज चव्हाण को अक्सर यह प्रश्न उठाना चाहिए था। मनमोहन को यह भी पता था कि अमेरिका के साथ भारत की दोस्ती बनने से चीनियों को परेशानी होगी, हो सकता है इसके मद्देनजर वे भारत के साथ अधिक नरम रुख रखने को लिए राजी हों। और ऐसा हुआ भी, जब 2005 में, भारत और चीन ने सीमा विवाद को सुलझाने के लिए वार्ता शुरू की- हालांकि बाद में चीन पीछे हट गया, जब उसने देखा कि भारत दुनिया से अलग-थलग और कमजोर पड़ रहा है, लेकिन यह बाद में हुआ। दुखद यह कि येचुरी, जिन्होंने भारत-अमेरिका समझौते को घरेलू राजनीति से जोड़ने के सीपीएम के फैसले का खुलकर विरोध किया था, उन्हें उनकी अपनी पार्टी ने ही खारिज कर दिया। येचुरी हार गए, करात जीत गए और यूपीए के पैरों तले से जमीन खिसका दी। विडंबना यह है कि कुछ साल बाद, प्रकाश करात के कट्टर सहयोगी पिनाराई विजयन के नेतृत्व वाली केरल की वामपंथी सरकार ने लंदन स्टॉक एक्सचेंज में ‘मसाला बॉन्ड’ का समर्थन किया, जिसके जरिये केरल के स्वास्थ्य और शिक्षा क्षेत्र में नई पहल के वास्ते पूंजी जुटाई गई, और जिससे राज्य की सूरत बदल दी।

केरल को छोड़कर, देश के बाकी हिस्सों से सीपीएम साफ हो गई। समय की मांग के साथ आगे बढ़ने की जरूरत का मनमोहन सिंह का मंत्र पूरे भारत में गूंजा- इसने वामपंथियों को व्यावहारिक रूप से खत्म कर दिया और भारतीय उद्यमियों की ‘जिंदादिली’ की प्रवृत्ति को बंधन मुक्त करते हुए उन्हें देश की भौगोलिक सीमा से परे की दुनिया में नई साहसिक छलांगें लगाने का मौका दिया, यह वो था जिसकी कल्पना 1947 में परिवार के साथ रेडक्लिफ सीमा पार कर भारत में आते वक्त खुद डॉ. सिंह ने भी नहीं की होगी।

☐☐☐ रेनू सैनी

सकारात्मकता व कुदरत का सान्निध्य देंगे समृद्धि

> एक दिन भयंकर तूफान आ रहा था। एक यात्री तूफान में भीगता हुआ आया और उस पेड़ के नीचे खड़ा हो गया। उसे सामने से वही बिल्ली हाथ हिला-हिला कर अपनी ओर बुलाने का संकेत करती रही। यह देखकर यात्री असमंजस में पड़ गया कि आखिर यह बिल्ली इतने तूफान में मुझे अपनी ओर आने का संकेत क्यों कर रही है? खैर! यात्री बिल्ली के आमंत्रण पर उस पेड़ से भागकर उसकी ओर आ गया। जैसे ही वह बिल्ली के पास पहुंचा तो अचानक भयंकर गर्जना हुई।

विभिन्न देशों की संस्कृति, वहां के परिवेश और लोकाचार के अनुरूप होती है। जिन देशों की संस्कृति जितनी अधिक समृद्ध होती है, वे आर्थिक एवं सामाजिक रूप से उतने ही अधिक संपन्न होते हैं। जापान एक ऐसा देश है जहां के लोग लंबा जीवन तो जीते ही हैं, इसके साथ-साथ वे विपरीत परिस्थितियों में भी सकारात्मक रहते हैं। कई जापानी अवधारणाएं प्रत्येक व्यक्ति के जीवन को बदलने की सामर्थ्य रखती हैं। ‘मनेकी नेको’ भी एक ऐसी ही अवधारणा है। जापानी में नेको शब्द का अर्थ है, बिल्ली और मनेकी का अर्थ होता है, ‘किसी को निर्मंत्रित करना।’ अगर इन दोनों शब्दों को मिला दिया जाए तो ‘मनेकी नेको’ का अर्थ हुआ, ‘बिल्ली लोगों को अंदर आने का न्योता दे रही है।’ अथवा ‘बिल्ली लोगों को अपनी ओर बुला रही है।’

इस आकृति का मूल, ईदो युग के एक प्रसंग से जोड़ा जाता है। वह प्रसंग इस प्रकार है कि एक बिल्ली हमेशा टोक्यो के पश्चिम में स्थित एक मंदिर के आंगन में, बड़े से पेड़ के सामने मुंह करके बैठी रहती थी। पेड़ आंगन से दूर था। एक दिन भयंकर तूफान आ रहा था। एक यात्री तूफान में भीगता हुआ आया और उस पेड़ के नीचे खड़ा हो गया। उसे सामने से वही बिल्ली हाथ हिला-हिला कर अपनी ओर बुलाने का संकेत करती रही। यह देखकर यात्री असमंजस में पड़ गया कि आखिर यह बिल्ली इतने तूफान में मुझे अपनी ओर आने का संकेत क्यों कर रही है? खैर! यात्री बिल्ली के आमंत्रण पर उस पेड़ से भागकर उसकी ओर आ गया। जैसे ही वह बिल्ली के पास पहुंचा तो अचानक भयंकर गर्जना हुई। यात्री ने पीछे मुड़कर देखा तो दंग रह गया कि जिस पेड़ के नीचे वह खड़ा था, उस पेड़ पर बिजली गिर गई थी। वह पेड़ जलकर राख हो गया। पेड़ के साथ-साथ उसके इर्द-गिर्द की हर चीज भी जलकर राख हो गई थी। अब तो यात्री की सांस ऊपर की ऊपर रह गई।

उसने बिल्ली को अपनी गोद में उठाया और नम आंखों से उसका आभार व्यक्त किया। बस तभी से एक हाथ हिलाती बिल्ली हर घर, आंगन और व्यवसाय का शुभ प्रतीक बन गई। आज अक्सर कई दुकानों में यह बिल्ली हाथ हिलाती हुई नजर आती है। मनेकी नेको ‘आकर्षण के सिद्धांत’ का मूर्तिमान रूप है। इसकी मूर्ति मानो प्रत्येक व्यक्ति को यही कहती है कि आप बार-बार मांगो, कार्य करने के लिए अपने कदम आगे बढ़ाओ, धीरे-धीरे आगे बढ़ो। आपको वह सब कुछ मिल जाएगा जो आप चाहते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, आकर्षण के नियम का मूल स्रोत, द किबलियोन के सात नियमों में से एक में मिलता है, जिसे रहस्यमयी हर्मिस त्रिसमैगिसतुस ने बनाया था। मन से जुड़ा यह नियम कहता है कि, ‘इस ब्रह्माण्ड में हर चीज एक मानसिक रचना है और इस तरह मनुष्य अपने विचारों के माध्यम से अपना यथार्थ स्वयं रच सकते हैं।’ मनेकी नेको यह बताता है कि आप जिसे चाहते हैं, उसकी हृदय से कामना करें। उसके लिए प्रयासरत हों। इसमें आकर्षण के ये चारों नियम समायोजित हैं-आप क्या चाहते हैं? उसे ब्रह्मांड से मांगें।

उत्साह और आभार जीवन में सदैव रहना चाहिए। इनके माध्यम से अपनी इच्छाओं पर ध्यान केंद्रित करें।

इस तरह व्यवहार करें कि आप जो अच्छी चीजें चाहते हैं, वे आपकी हो चुकी हैं।

मुक्त मन से उन्हें ग्रहण करें। आकर्षण के उपरोक्त चारों नियम बहुत सरल हैं। मगर लोग इनका सही से पालन नहीं करते, इसलिए चूक जाते हैं। यदि हमारे हाथों में हर पल मोबाइल रहेगा, उसी पर ध्यान रहेगा तो प्रकृति के शुभ संकेत हम कहां समझ पाएंगे? अपनी कल्पनाशक्ति को भी जीवित रखने के लिए यह अनिवार्य है कि मोबाइल, सोशल मीडिया से उचित दूरी बनाए रखें। लगातार इन्हीं में डूबे रहने के कारण दुर्घटनाएं अधिक हो रही हैं। आज सोशल मीडिया ने व्यक्ति को इतना अधिक व्यथित किया हुआ है कि वे प्राकृतिक स्थलों पर विचरण करने की जगह वहां पर अपनी फोटो लेते हैं, रील्स बनाते हैं और फिर अनायास ही काल के गाल में समा जाते हैं।

मनेकी नेको का शुभ संकेत प्रत्येक व्यक्ति को यही बताता है कि सकारात्मक रहो, निरंतर आगे बढ़ो और प्रकृति के सान्निध्य में रहो। प्रकृति में विचरण करने वाले जीव-जंतु, पेड़-पौधे हमें बहुत कुछ सिखाते हैं। न्यूटन गुरुत्वाकर्षण के नियम की खोज इसलिए कर पाए क्योंकि वे प्रकृति के सान्निध्य में बैठे अपने आविष्कार पर सोच रहे थे। अचानक हवा के झोंके से एक सेब के पेड़ से सेब नीचे गिरा। न्यूटन ने उसे नीचे गिरते देखा और स्वयं से बोले, ‘यह सेब नीचे ही क्यों गिरा? अगल-बगल या ऊपर क्यों नहीं गिरा। इसका अर्थ है कि धरती उसे खींच रही है यानी उसमें आकर्षण है। इस तरह गुरुत्वाकर्षण का नियम पूरे विश्व के सामने आया। आज भी असंख्य आविष्कार व्यक्तियों का इंतजार कर रहे हैं बशर्ते वे मनेकी नेको के नियम के अनुसार कार्य करें। ‘मनेकी नेको’ के जुड़वां नियम से आगे बढ़ें और अपना सुंदर भविष्य गढ़ें।

इन चीजों को भिगोकर खाने से शरीर रहेगा फिट

हमें जिंदा रहने के लिए पोषक तत्वों की जरूरत होती है। पोषक तत्वों से ही हमारे शरीर में एनर्जी बनती है और इस एनर्जी से हम हम हर तरह के काम करते हैं। जब हमारे शरीर में पोषक तत्वों की कमी होगी जो हमारा शरीर बीमारियों का घर बन जाएगा। हर वक्त थकान और कमजोरी से हम जूझते रहेंगे। ऐसे में कुछ ऐसे फूड हैं जिनका सेवन करने से बहुत अधिक पोषक तत्वों की प्राप्ति हो सकती है। अगर किसी चीज को रातभर भिगोकर रखा जाए और अगले दिन उसका सेवन किया जाए तो ज्यादा फायदेमंद होता है। जी हां, अंकुरित होने के बाद कुछ चीजों के पोषक तत्वों की अधिकता हो जाती है साथ ही इन्हें आसानी से पचाया भी जा सकता है।

ताउम्र

दवाइयों

के सेवन से बचे रहना चाहते हैं तो कुछ चीजों कर भिगोकर ही खाना चाहिए। लेकिन इन चीजों को अगर रात में पानी में भीगा दिया जाए तो इसके फायदे कई गुना बढ़ जाते हैं। दरअसल, कुछ फूड में उपरी सतह पर टेनिन नाम की परत चढ़ी होती है जो खाने में कोई फायदा नहीं पहुंचाता। वहीं भीगा देने से इसमें मौजूद पोषक तत्वों की शक्ति बढ़ जाती है।

मुनक्का

यह मैग्नीशियम, पोटेशियम और आयरन का पॉवर हाउस कहा जाता है। इसे भीगा हुआ खाने से शरीर में कैंसर कोशिकाएं नहीं बढ़ती हैं, जिससे आप इस बीमारी से बचे रहते हैं। साथ ही इसका सेवन एनीमिया, किडनी स्टोन, स्किन प्रॉब्लम्स और पेट की दिक्कतों से भी छुटकारा दिलाता है। मुनक्का कब्ज को दूर करने में बेहतरीन इलाज करता है। मुनक्का में मौजूद पोषक तत्वों की बात करें तो इसमें एंटीऑक्सीडेंट्स, कैल्शियम, पोटैशियम, मैग्नीशियम और विटामिन सी मौजूद होता है जो बॉडी को हेल्दी रखता है और कब्ज का उपचार करता है। तो आप मुनक्का का सेवन करें।

अंकुरित मूंग दाल और अलसी के बीज

यह प्रोटीन, फाइबर और विटामिन बी से भरपूर होती है। इसे खाने से पेट में बनी कब्ज और गैस की समस्या दूर होती है। इससे हाई ब्लड प्रेशर कंट्रोल रहता है। साथ ही यह कोलेस्ट्राल लेवल को भी नियंत्रित करता है। वहीं अलसी के बीज ओमेगा- 3 फैटी के अलावा प्रोटीन, आयरन का भी अच्छा स्त्रोत हैं। इसको भिगोकर खाने से शरीर का बैड कोलेस्ट्रोल कम हो जाता है और दिल स्वस्थ रहता है। साथ ही इससे मेनोपॉज के दौरान होने वाली समस्या भी कम होती हैं।

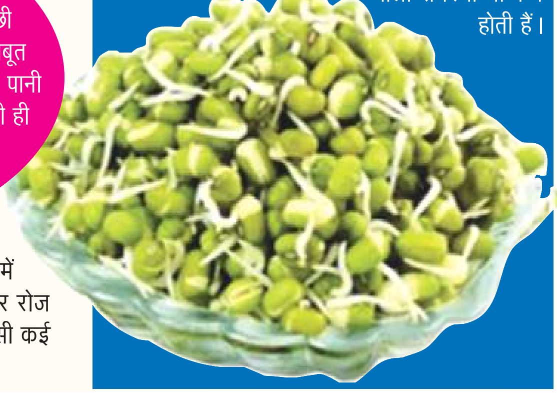

खसखस और सौंफ

थियामिन और पैंटोथेनिक एसिड से भरपूर खसखस का पूरा फायदा भी तभी मिलेगा जब आप इसे भिगोकर खाएंगे। इससे वजन कंट्रोल में रहता है और कई समस्याओं से भी बचे रहते हैं। सौंफ को भिगोकर खाने या इसका पानी पीने से यूरिन प्रॉब्लम से बचाव होता है क्योंकि इसमें डाइयूरेटिक प्रॉपर्टीज होती हैं। जिससे पेशाब से जुड़ी समस्याएं दूर रहती हैं। इतना ही नहीं इससे पाचन भी दुरुस्त रहता है और आंखों की रोशनी तेज होती है।

मेथी दाना

फाइबर और फॉस्फोरस से भरपूर मेथी दाना डायबिटीज मरीजों के लिए एक अच्छी औषधी है। साथ ही इससे दांत व हड्डियां मजबूत होती हैं। इसके अलावा नियमित रूप से इसका पानी पीने से किडनी स्टोन भी निकल जाता है। इतनी ही नहीं, इन्हें भिगोकर खाने से महिलाओं में पीरियड्स के दौरान होने वाला दर्द भी कम होता है।

बादाम और अंजीर

रोजाना 3 से 5 भिगी हुई अंजीर खाने से कब्ज की समस्या दूर होती है। साथ ही दिल की बीमारियों की रोकथाम करते हैं। इसके अलावा इसमें कैल्शियम पाया जाता है जो हड्डियों को मजबूत बनाता है। वहीं अगर आप बादाम भिगोकर रोज खा रहे हैं तो इससे आंखों की रोशनी और दिमाग तेज होता है। साथ ही इससे कैंसर जैसी कई गंभीर बीमारियों का खतरा भी कम होता है।

हंसना मना है

महिला- पंडितजी, मेरे पति हमेशा मुझसे लड़ते रहते हैं। घर की सुख-शांति के लिए कौन-सा व्रत रखूं? पंडितजी- मौन व्रत रखो बेटा, सब बढ़िया होगा!

पार्टी में एक लड़की लड़के के पास गई, बोली- सुनिए, मेरे एक हाथ में गिलास और दूसरे में प्लेट है, आप मेरे चेहरे से एक चीज हटा देंगे! लड़का-हां हां क्यों नहीं, क्या चीज हटानी है? लड़की- अपनी कुत्ते जैसी नजर!

सन- मॉम, पापा बहुत शरीफ हैं, मॉम- वो कैसे बेटा, सन-पापा जब भी किसी लड़की को देखते हैं, तो एक आंख बंद कर लेते है।

आदित्य अपनी गर्लफ्रेंड के पिता से मिलने गया, पिता- मैं नहीं चाहता कि मेरी बेटी अपनी पूरी जिंदगी एक मूर्ख इंसान के साथ गुजारे। आदित्य- बस अंकल, इसीलिए तो मैं उसे यहां से ले जाने आया हूं। दे जूते.. दे चप्पल!

वाईफ टीवी पर मैच देख रही थी, हसबैंड स्मार्ट बनके आया और बोला, डार्लिंग मैं कैसा लग रहा हुं? तभी वाईफ जोर से चिल्लाई, छक्का!

पति- मेरे सीने में बहुत दर्द हो रहा है जल्दी से एम्बुलेंस के लिए फोन लगाओ, पत्नी- हां लगाती हूं जल्दी अपने मोबाईल का पासवर्ड बताओ, पति- रहने दो अब थोड़ा ठीक लग रहा है।

कहानी

मूर्खों का बहुमत

एक जंगल में एक उल्लू रहता था। दिन में दिखाई न देने के कारण वह दिनभर एक पेड़ पर अपने घोंसले में छिपकर रहता था। सिर्फ रात होने पर ही वह भोजन के लिए बाहर निकलता था। एक बार दोपहर के समय कहीं से एक बंदर आया और वह उल्लू के घोसले वाले पेड़ पर आकर बैठ गया। गर्मी और धूप से परेशान बंदर ने कहा-ऊफ, बहुत गर्मी है। बंदर की बात को उल्लू ने भी सुन लिया। उससे रहा नहीं गया और बीच में ही बोल पड़ा-यह तुम झूठ कह रहे हो? सूर्य नहीं, बल्कि अगर चंद्रमा के चमकने की बात कहते तो मैं इसे सच मान लेता। बंदर बोला-भला दिन में चंद्रमा कैसे चमक सकता हैं। वह तो रात में चमकता है और यह दिन का समय है। उस बंदर ने उल्लू को अपनी बात समझाने का बहुत प्रयास किया कि दिन में सूरज ही चमकता है चंद्रमा नहीं, लेकिन उल्लू भी अपनी ही जिद पर अड़ा था। इसके बाद उल्लू ने कहा-चलो, हम दोनों मेरे एक मित्र के पास चलते हैं, वही इसका निर्णय करेगा। बंदर और उल्लू दोनों एक दूसरे पेड़ पर गए। उस दूसरे पेड़ पर उल्लुओं का एक बड़ा झुंड रहता था। उल्लू ने सभी को बुलाया और उनसे कहा कि दिन में आकार में सूर्य चमक रहा है या नहीं यह तुम सब मिलकर बताओ। उल्लु की बात सुनकर उल्लुओं का पूरा झुंड हंसने लगा। वह बंदर की बात का मजाक उड़ाने लगें। उन्होनें कहा-नहीं, तुम बेवकूफों जैसी बात कर रहे हो। इस समय आकार में तो चंद्रमा ही चमक रहा है और आकाश में सूर्य के चमकने की झूठी बात बोलकर हमारी बस्ती में झूठ का प्रचार मत करो। उल्लुओं के झुंड की बात सुनने के बाद भी बंदर अपनी ही बात पर अड़ा हुआ था। जिससे गुस्साए उल्लुओं ने बंदर को मारने के लिए उसपर झपट पढ़े। दिन का समय था और उल्लुओं को कम दिखाई दे रहा था इसी वजह से बंदर वहां से बचकर भाग निकलने में कामयाब हो गया और उसने अपनी जान बचाई।

7 अंतर खोजें

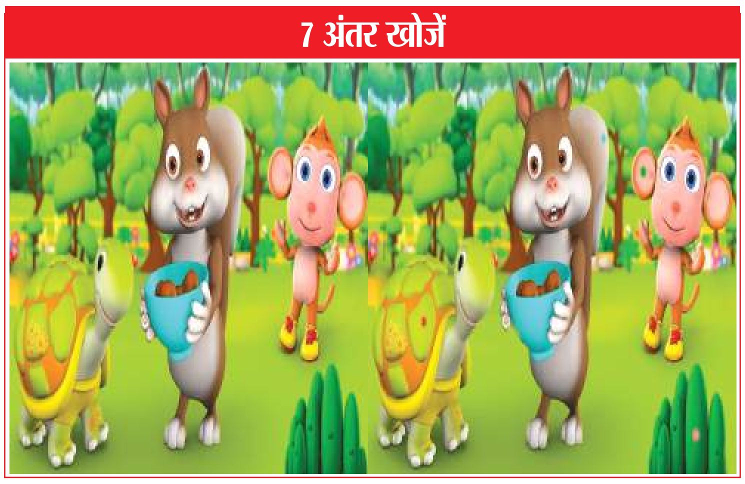

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप
आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

व्यापारिक यात्रा लाभदायक रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। शेयर मार्केट, म्युचुअल फंड से मनोनुकूल लाभ होगा। बेरोजगारी के प्रयास सफल रहेंगे।

वृषभ

आज घरेलू विवाद को बढ़ावा न दें। फालतू खर्च होगा। अपेक्षाकृत कार्यों में विलंब होगा। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। किसी व्यक्ति के बहकावे में न आएं।

मिथुन

यात्रा लाभदायक रहेगी। रुका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। आय में वृद्धि होगी। लाभ में वृद्धि होगी। कारोबार में वृद्धि होगी। शेयर मार्केट से लाभ होगा। व्यापार ठीक चलेगा।

कर्क

किसी बड़े काम को करने की तीव्र इच्छा जागृत होगी। आर्थिक उन्नति की योजना बनेगी। व्यापार लाभदायक रहेगा। कार्यस्थल पर परिवर्तन हो सकता है।

सिंह

धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। तीर्थयात्रा की योजना बनेगी। कानूनी अड़चन दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा।

कन्या

धन लेन-देन में जल्दबाजी न करें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। पारिवारिक विवाद को बढ़ावा न दें। चोट व दुर्घटना के प्रति सावधानी आवश्यक है। फालतू खर्च होगा।

तुला

कानूनी अड़चन दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। शत्रु पस्त होंगे। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। व्यापार लाभदायक रहेगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

वृश्चिक

किसी व्यक्ति के बहकावे में न आएं। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। जोखिम न उठाएं।

धनु

कानूनी अड़चन सामने आएगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। बेचैनी रहेगी। व्यर्थ दौड़धूप रहेगी। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा।

मकर

व्यवसाय ठीक चलेगा। लाभ होगा। कोई बड़ी बाधा उठ खड़ी हो सकती है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें, गुम हो सकती है। विवाद के बढ़ावा न दें। मेहनत अधिक होगी।

कुम्भ

लाभ के अवसर हाथ आएंगे। मेहनत का फल मिलेगा। मान-सम्मान मिलेगा। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। प्रमाद न करें।

मीन

भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। आत्मसम्मान बना रहेगा। बुद्धि का प्रयोग करेंगे। कार्य में सफलता मिलेगी। लाभ में वृद्धि होगी।

बॉलीवुड | मन की बात

पुष्पा 2 में दर्शकों का प्यार देख काफी अच्छा लग रहा : श्रेयस

श्रेयस तलपड़े अपनी बहुमुखी प्रतिभा के अलावा अपनी आवाज को लेकर भी जाने जाते हैं। अभिनेता इन दिनों पुष्पा 2 में अपनी आवाज को लेकर काफी चर्चा में चल रहे हैं। हर कोई उनकी जमकर तारीफ भी कर रहा है। अब हाल ही में, अभिनेता ने फैंस से मिल रहे प्यार को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी है और कहा है कि वह आभारी हैं कि उनकी आवाज को इतने सारे लोग पसंद कर रहे हैं। आइए जानते हैं कि अभिनेता ने और क्या कहा है। हाल ही में, एक साक्षात्कार में श्रेयस से पूछा गया कि पुष्पा 1 की सफलता के बाद आपने पुष्पा 2 के लिए कैसे तैयारी की। इसका जवाब देते हुए अभिनेता ने कहा, मैंने सबसे पहले फिल्म देखने से अपनी शुरुआत की थी। डबिंग करने के कुछ दिनों पहले से ही मैंने इसकी तैयारी शुरू कर दी थी। इसके साथ ही मैं गाने की प्रैक्टिस भी कर रहा था। अभिनेता ने आगे कहा कि मैं बस यह समझने की कोशिश कर रहा था कि अभिनेता उस सीन को करते वक्त कैसा महसूस कर रहा होगा। मैंने अपनी आवाज में भी ढालने की कोशिश की थी। इसके अलावा आगे जब अभिनेता से पूछा गया कि पुष्पा-2 में काम करने का अनुभव कैसा रहा। इस पर अभिनेता ने कहा कि दर्शकों का प्यार देख काफी अच्छा लग रहा है। मुझे काम करने में अब संतुष्टि मिल रही है और कहीं न कहीं लग रहा है कि मेरा काम पूरी तरह से सफल हो गया है। यही नहीं, इंटरव्यू में अभिनेता से यह पूछा गया कि जब आपने सबसे पहले अपनी डबिंग पर प्रतिक्रिया सुनी तो आपका क्या रिएक्शन था। इस पर अभिनेता ने कहा कि पहले भाग के बाद लोगों ने जो प्यार और संदेश दिए, वे बहुत ज्यादा थे। एक अभिनेता के तौर पर, आप मेहनत करते हैं, लेकिन आपको कभी नहीं पता होता कि यह दर्शकों से कैसे जुड़ेगा। जब ऐसा होता है, खास तौर पर इतने खूबसूरत तरीके से, तो यह इस बात की पुष्टि करता है कि मैं इस पेशे में क्यों हूं।

यूट्यूब पर तहलका मचा रहा 'सिकंदर' का टीजर

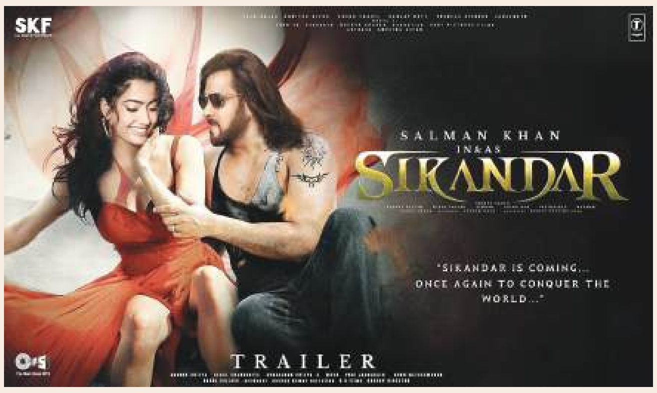
SKF
SALMAN KHAN
IN & AS
SIKANDAR
"SIKANDAR IS COMING... ONCE AGAIN TO CONQUER THE WORLD..."
TRAILER

बॉलीवुड | गपशप

सलमान खान की बहुप्रतीक्षित फिल्म सिकंदर का दमदार टीजर अभिनेता के जन्मदिन के एक दिन बाद रिलीज हुआ, जिसने रिलीज के साथ ही फैंस के बीच धमाल मचा दिया। इसके साथ ही इसने महज कुछ ही घंटों में सोशल मीडिया पर भी अपना कब्जा जमा लिया। ट्रेलर का जादू 24 घंटे बाद भी कम नहीं हुआ और यह 24 घंटे के भीतर ही यूट्यूब पर नंबर वन पर ट्रेंड होने लगा। सलमान खान की सिकंदर के टीजर को यूट्यूब पर रिलीज होने के सिर्फ 24 घंटों के भीतर लगभग 42 मिलियन से ज्यादा बार देखा गया है, जिसने रिकॉर्ड तोड़ दिया है और दुनिया भर में प्लेटफॉर्म पर नंबर वन पर ट्रेंड कर रहा है, जिसकी व्यू काउंट प्रति घंटे दो मिलियन है। इसे बड़ी संख्या में दर्शक मिले और यह अब प्रभास अभिनीत आदिपुरुष के बाद पहले 24 घंटों में दूसरा सबसे ज्यादा देखा जाने वाला बॉलीवुड टीजर बन गया, जिसे 69 मिलियन बार देखा गया था। सिकंदर सलमान खान अभिनीत पहली फिल्म है, जिसने पहले दिन 30 मिलियन से ज्यादा व्यूज हासिल किए हैं, जिसने भारत को पीछे छोड़ दिया है, जिसने 21.5 मिलियन व्यूज के साथ शुरुआत की थी। भारतीय फिल्मों में सिकंदर का टीजर राधे श्याम के टीजर के बाद पांचवां नंबर पर सबसे ज्यादा देखा गया है। राधे श्याम का टीजर 42.65 मिलियन बार देखा गया था।

टॉप 10 टीजर के मामले में कहां पहुंचा सिकंदर

सलमान खान के सिकंदर के टीजर ने यूट्यूब पर 24 घंटे के व्यूज के मामले में अल्लू अर्जुन की पुष्पा 2 और शाहरुख खान की डंकी को भी पीछे छोड़ दिया है।

ईद पर रिलीज होगी फिल्म

वहीं, बात करें सिकंदर के कलाकारों के बारे में तो एआर मुरुगादॉस द्वारा निर्देशित इस फिल्म में रश्मिका मंदाना और काजल अग्रवाल भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। सलमान के साथ यह रश्मिका की पहली फिल्म है। यह फिल्म 2025 की ईद के मौके पर सिनेमाघरों में आने वाली है।

साल के आखिरी रविवार को भी पुष्पा 2 पर हुई नोटों की बारिश

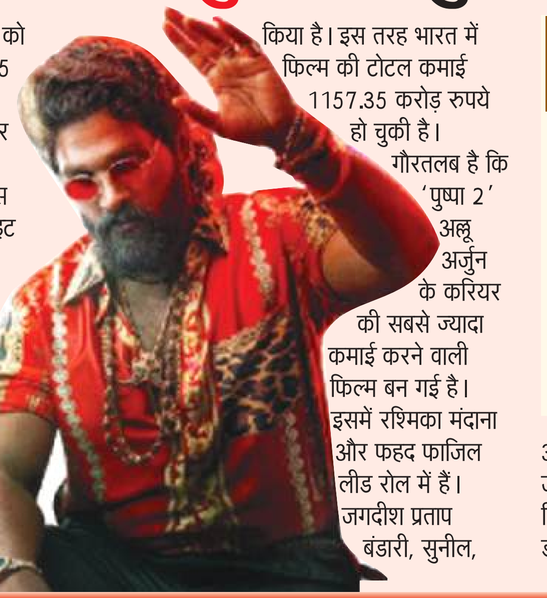

अल्लू अर्जुन की फिल्म 'पुष्पा 2' वाइल्ड फायर बन गई है। बॉक्स ऑफिस पर मूवी झुकने का नाम नहीं ले रही है। रिलीज के चौथे हफ्ते भी फिल्म झामफाड़ कमाई कर रही है। साल के आखिरी रविवार को अल्लू अर्जुन की 'पुष्पा 2' ने जबरदस्त बिजनेस किया है। देशभर में फिल्म का कलेक्शन 1150 करोड़ के पार जा चुकी है। जानिए 'पुष्पा 2' ने देशभर में अब तक कितने करोड़ रुपये की कमाई कर ली है।

अल्लू अर्जुन की 'पुष्पा 2' इसी महीने 5 दिसंबर को रिलीज हुई थी और पहले दिन से ही फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर कब्जा कर लिया। चौथे वीकेंड फिल्म की कमाई में जबरदस्त उछाल आया है। बीते शुक्रवार को 'पुष्पा 2' ने 8.75 करोड़ की कमाई की। फिर शनिवार को 12.5 करोड़ रुपये का बिजनेस हुआ। ट्रेड वेबसाइट सैकनिल्क के अनुसार, 25वें दिन यानी साल के आखिरी रविवार को 'पुष्पा 2' ने 16 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। इस तरह भारत में फिल्म की टोटल कमाई 1157.35 करोड़ रुपये हो चुकी है। गौरतलब है कि 'पुष्पा 2' अल्लू अर्जुन के करियर की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गई है। इसमें रश्मिका मंदाना और फहद फाजिल लीड रोल में हैं। जगदीश प्रताप बंडारी, सुनील, अनसूया भारद्वाज, राव रमेश और जगपति बाबू जैसे सितारों ने भी अहम किरदारों को निभाया है। 'पुष्पा 2' का डायरेक्शन सुकुमार ने किया है।

1700 करोड़ क्लब में हुई फिल्म की एंट्री

ओवरसीज मार्केट में भी 'पुष्पा 2' का एकतरफा डंका बज रहा है। ट्रेड एनालिस्ट मनोबाला विजयबलान के मुताबिक, अल्लू अर्जुन की फिल्म वर्ल्डवाइड 1700 करोड़ क्लब में एंट्री मार चुकी है। मूवी का टोटल कलेक्शन 1709.63 करोड़ रुपये हो चुका है। 'दंगल' और 'बाहुबली 2' के बाद 'पुष्पा 2' सबसे ज्यादा कमाई करने वाली तीसरी इंडियन फिल्म बन चुकी है। इसके साथ ही यह साल 2024 की हाईएस्ट ग्रोसिंग फिल्म साबित हुई है।

अजब-गजब

यहां नया साल मनाने का है अजाबो-गरीब तरीका

इस देश में लोग नया साल आने से पहले आधी रात को खाते हैं 12 अंगूर

नए साल को लेकर दुनिया भर के अलग-अलग देशों में अपनी परंपराएं हैं। सौभाग्य और समृद्धि के लिए लोग अलग-अलग काम करते हैं। दुनियाभर में अपनी-अपनी परंपराएं हैं। इनमें से कुछ तो इतनी अजीबोगरीब हैं कि इनकी शुरुआत के बारे में हम सोच ही नहीं पाते। ऐसी ही एक परंपरा स्पेन में भी है, जहां पर लोग नया साल आने से पहले आधी रात को 12 अंगूर खाते हैं।

स्पेन के लोग नया साल आने से पहले आधी रात को खासतौर पर 12 अंगूर लेकर बैठते हैं और न्यू ईअर बेल्स के साथ ही इन्हें खाकर खत्म करते हैं। इसे लेकर उनकी अपनी मान्यताएं हैं। माना जाता है कि अगर कोई नए साल की हर घंटी के साथ एक अंगूर खाता है तो उसका आने वाला साला समृद्ध होगा और सौभाग्य लेकर आएगा। पीढ़ियों से चली आ रही इस परंपरा की उत्पत्ति के बारे में बहुत कम लोगों को पता है।

माना जाता है कि इस परंपरा की शुरुआत साल 1909 से हुई, इसे Vas de la suerte या grapes of luck कहा जाता है। बताते हैं कि एलिकांटे के अंगूर उगाने वाले किसानों ने इस तरह की आदत को बढ़ावा दिया। सौभाग्य के 12 अंगूरों को हर एक महीने के लिए प्रतीक के तौर पर रखा गया। इन्हें नए साल की घंटियों के साथ ही खाना शुरू करना होता है। हर घंटी के साथ एक अंगूर खाने से सालभर सौभाग्य बना रहता है। ये परंपरा इतनी मशहूर हो चुकी है कि लोग यहां दूर-दूर से आकर ऐसा करते हैं। सोशल मीडिया पर तो लोग इसका वीडियो भी बनाकर डालते हैं।

कई सोशल मीडिया एनफ्लुएंसर्स ने खुद को अंगूर खाते हुए दिखाया और उनका दावा था कि इसके बाद उनका भाग्य प्रेम के मामले में बेहतरीन रहा। वे सिंगल थे लेकिन उन्हें पार्टनर मिल गए। हालांकि कुछ लोगों का मानना है कि इस परंपरा का लव लक से कोई लेना-देना नहीं है। कुछ लोगों का मानना है कि किसानों ने अंगूरों की ज्यादा फसल उगाई और वे इसे बेचने का तरीका ढूंढ रहे थे, इसलिए उन्होंने ये प्रथा शुरू कर दी। वहीं कुछ लोग मानते हैं कि ये परंपरा पहले से थी, जब स्पेन के हाई क्लास लोगों ने फ्रेंच एलीट क्लास की नकल करनी शुरू कर दी। हालांकि अब लोग इसे हल्के-फुल्के पल के तौर पर मनाते हैं, जिसमें वे घंटियां बजने के साथ अंगूर निगलने की कोशिश कर रहे होते हैं।

शाहजहां से कम नहीं ये शख्स, पत्नी की याद में बनवा रहा ढाई करोड़ का मंदिर

छपरा। छपरा में एक ऐसे व्यक्ति भी हैं, जो अपने पत्नी की याद में 10 लाख-20 लाख नहीं, बल्कि ढाई करोड़ के लागत से भव्य मंदिर का निर्माण करवा रहे हैं। कहा जाता है कि शाहजहां अपनी पत्नी की याद में आगरा में ताजमहल बनवाए थे। लेकिन बिहार के छपरा में भी एक ऐसा व्यक्ति है, जो अपनी पत्नी की याद में ढाई करोड़ के लागत से भव्य मंदिर का निर्माण करवा रहे हैं। इसमें पूरे जिले के लोग बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं और सहयोग भी कर रहे हैं। इस मंदिर का निर्माण जिले के मांझी प्रखंड अंतर्गत गोबराही गांव में किया जा रहा है। कहा जा रहा है कि विजय सिंह अपनी पत्नी स्वर्गीय रेणु देवी की याद में इस मंदिर का निर्माण करवा रहे हैं। स्वर्गीय रेणु देवी बाबा भोलेनाथ की काफी पूजा अर्चना करती थी, जिनका स्वर्गवास हो जाने के बाद पति विजय सिंह ने छोटा मंदिर का निर्माण करवाने का कार्य शुरू किया। लेकिन जब लोगों का सहयोग मिलने लगा, तो इसे अब 2 करोड़ से अधिक के लागत से बनवाया जा रहा है। इस मंदिर का निर्माण शिव शक्ति धाम के नाम से किया जा रहा है। आने वाले दिन में नैनी द्वारकाधीश मंदिर के बाद यह स्थान पर्यटक स्थल के रूप में जाना जाएगा। इस मंदिर के निर्माण होने से हजारों लोगों को रोजगार मिलेगा। अपना व्यवसाय खोलकर यहां सोग अच्छी कमाई कर सकते हैं। सोनू सिंह कौशिक ने बताया कि इस मंदिर में मार्बल और ग्रेनाइट काफी हैवी क्वालिटी का लगाया जा रहा है। इस मंदिर का जो भी कारीगर निर्माण कर रहे हैं, वह सभी महाराष्ट्र से आए हुए हैं। इनके हाथों से मंदिर को एक आकर्षक आकार दिया जा रहा है। विजय सिंह की धर्मपत्नी स्वर्गीय रेणु देवी शंकर भगवान की बहुत पूजा करती थी, जिनका शिवरात्रि के दिन ही स्वर्गवास हो गया। उसी दिन विजय सिंह ने अपने गांव में ही उनके नाम पर छोटा मंदिर बनाने का वचन दिया। जब रेणु देवी के याद में विजय सिंह ने मंदिर निर्माण कार्य शुरू किया, तो लोग सहयोग करने लगे। उसके बाद इस मंदिर को और बड़ा बनाने का निर्णय लिया गया, जिसका खर्च बढ़ते गया और लोग सहयोग करते गए। स्थानीय लोगों के अनुसार, ढाई करोड़ के लागत से इस मंदिर का निर्माण किया जा रहा है, जिसमें वेद विद्यालय भी बनाया जा रहा है। यहां पर छोटे-छोटे बच्चे शिक्षा ग्रहण करेंगे।

भाजपा ने रोहिंग्याओं को कहां बसाया सब मेरे पास है डाटा : केजरीवाल

आप और भाजपा में रार, पूर्व सीएम पर बरसे केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी

» दिल्ली में पुजारी व ग्रंथियों का पंजीकरण शुरू

☐☐☐ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भाजपा नेता और केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी को गिरफ्तार करने की मांग की है। केजरीवाल ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और हरदीप पुरी पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि कहां-कहां रोहिंग्याओं को बसाया गया है इनके पास सारा डाटा है। ट्वीट करके उन्होंने इसकी जानकारी भी दी है। केजरीवाल के इस बयान के बाद केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी की भी प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने कहा है कि एक ही झूठ को बार-बार फैलाने से वह सच में तो बदलेगा नहीं। केंद्रीय मंत्री पुरी ने अपने एक्स अकाउंट पर लिखा है कि, झूठ की धूप से तो बर्फ भी नहीं पिघलती, सच तो फिर भी चट्टान की तरह होता है!

एक ही झूठ को बार-बार फैलाने से वह सच में तो बदलेगा नहीं...हां आपके झूठे होने का बार-बार प्रमाण जरूर देगा। सच्चाई यह है कि आज तक कहीं भी किसी भी रोहिंग्या को कोई भी ईडब्ल्यूएस फ्लैट नहीं दिया गया है। केजरीवाल जी के विधायक ने उन्हें दिल्ली में बसाकर, उन्हें मुफ्त राशन, पानी और बिजली के साथ हर एक को दस हजार देकर उनका वोटर कार्ड बनवाया है। केंद्रीय मंत्री सिंह ने आगे कहा कि क्योंकि रोहिंग्या किस पार्टी के वोटर हो सकते हैं यह पूरे देश को पता है। इनकी तो फितरत ऐसी है कि ऐसा कोई सगा नहीं, जिसको केजरीवाल ने ठगा नहीं।

केजरीवाल का रोहिंग्या को बार-बार सपोर्ट करना देश की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करने जैसा है। आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को पुजारी-ग्रंथी सम्मान योजना की घोषणा करते हुए कहा कि देश में पहली बार हम उनकी सहायता के लिए योजना शुरू कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि मंगलवार को कनॉट प्लेस स्थित हनुमान मंदिर जाकर वहां पुजारियों-ग्रंथियों के लिए पंजीकरण प्रकिया की शुरुआत की। आप कार्यकर्ता और नेता शहर भर के अन्य मंदिरों और गुरुद्वारों में भी पंजीकरण की शुरुआत करेंगे। हालांकि पूर्व सीएम ने पंजीकरण प्रक्रिया के लिए स्पष्ट दिशानिर्देश नहीं बताए। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित मानदेय का लाभ उठाने के लिए पंजीकरण की संख्या प्रक्रिया पूरी होने के बाद सार्वजनिक की जाएगी। योजना के तहत पुजारियों और ग्रंथियों को 18,000 रुपये प्रतिमाह भत्ता मिलेगा।

पुजारियों व ग्रंथियों को भी धोखा दे रहे हैं केजरीवाल : सचदेवा

पुजारी-ग्रंथी सम्मान योजना पर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल पर हमला बोला है। उन्होंने केजरीवाल पर पुजारियों और ग्रंथियों के धोखा करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि केजरीवाल अब एक हारे हताश सुल्तान हैं। जो रोज नई लोकलुभावन घोषणाएं कर रहे हैं ताकि सत्ता में बने रह सकें। दिल्ली के विकास, मुख्यमंत्री बंगला निर्माण में घोटाला, एक बोतल पर एक बोतल मुफ्त शराब पर सवाल उठा रहे है। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि अरविंद केजरीवाल अब जितनी भी घोषणाएं कर लें दिल्ली वाले उनका यकीन नही करने वाले।

मेरे परिवार को बदनाम कर रही है भाजपा : संजय सिंह

मनोज तिवारी-अमित मालवीय पर करेंगे मानहानि का केस

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा कि भाजपा ने दिल्ली में पूर्वांचलियों के स्वाभिमान और सम्मान के खिलाफ युद्ध छेड़ा हुआ है, लेकिन आप भाजपा की साजिश को सफल नहीं होने देगी। मतदाता सूची विवाद पर संजय सिंह ने कहा, मुझे और मेरे परिवार को बदनाम किया गया। अमित मालीयव पर मानहानि का केस करूंगा। मनोज तिवारी पर भी केस करूंगा। संजय सिंह ने कहा, पीएम मोदी कहते हैं कि यह डिजिटल इंडिया है। मैं लोगों को बताना चाहता हूं कि चुनाव आयोग की वेबसाइट पर जाएं और मेरी पत्नी अनीता सिंह का नाम खोजें...भाजपा के लोगों को वेबसाइट पर जाना चाहिए और जांचें कि उन्होंने अपना वोट कहां डाला। अगर पीएम मोदी वास्तव में डिजिटल इंडिया में विश्वास करते हैं तो उन्हें जाकर शोध करना चाहिए...वे केवल झूठ बोल रहे हैं। उनके पास इतना भी दिमाग नहीं है कि वे जांच सकें और देख सकें कि मेरी पत्नी ने अभी छह महीने पहले लोकसभा चुनाव में वोट डाला है।

साल 2024 में नहीं दिखा कोहली का विराट रूप

» 32 पारियों में बनाए सिर्फ 655 रन

☐☐☐ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली का बल्ला इस साल उम्मीद के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर सका। कोहली के लगातार विफल होने से इस बात की चर्चा तेज हो गई है कि क्या भारतीय टीम का यह पूर्व कप्तान टी20 अंतरराष्ट्रीय के बाद टेस्ट क्रिकेट को भी अलविदा कह देगा।

बता दें कि तीनों प्रारूप मिलाकर कोहली के प्रदर्शन की बात करें तो उन्होंने 2024 में कुल 32 पारियां खेली और 21.83 के औसत से 655 रन बनाए। इस दौरान कोहली के बल्ले से एक शतक और दो अर्धशतक निकला। कोहली ने इस साल कुल 10 टेस्ट मैच खेले और 19 पारियों में 24.52 के औसत से 417 रन बनाए। इस साल टेस्ट में उनके बल्ले से एक शतक और एक अर्धशतक निकला और उनका निजी सर्वश्रेष्ठ स्कोर नाबाद 100 रन रहा। कोहली ने इस साल सिर्फ तीन वनडे मैच खेले, लेकिन इस प्रारूप में उनका प्रदर्शन काफी निराशाजनक रहा। कोहली ने तीन मैचों में 19.33 के औसत से कुल 58 रन बनाए। दिलचस्प बात यह है कि इस दौरान उनके बल्ले से एक भी छक्का नहीं निकला, जबकि उन्होंने आठ चौके लगाए। कोहली ने इस साल जून में अमेरिका और वेस्टइंडीज में खेले गए टी20 विश्व कप के फाइनल मुकाबले में अर्धशतक लगाया था और टीम की जीत में भूमिका निभाई थी। ओवरऑल कोहली ने 2024 में कुल 10 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले और 18 की औसत से कुल 180 रन बनाए। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 119.20 का रहा है, जबकि सिर्फ एक बार 50+ स्कोर बना सके।

सभी प्रारूप को मिलाकर जड़ा सिर्फ एक शतक

सचिन-गावस्कर के क्लब में शामिल हुए यशस्वी

मेलबर्न। यशस्वी जायसवाल का बल्ला इस साल टेस्ट में जमकर बोला और उन्होंने कुल 1478 रन बनाए। इस तरह वह एक कैलेंडर वर्ष में सबसे ज्यादा टेस्ट रन बनाने वाले तीसरे भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं। यशस्वी इस तरह सचिन तेंदुलकर और सुनील गावस्कर के क्लब में शामिल हो गए हैं। एक कैलेंडर वर्ष में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाज का रिकॉर्ड सचिन तेंदुलकर के नाम है जिन्होंने 2010 में 1562 रन बनाए थे। वहीं, गावस्कर ने 1979 में 1555 रन बनाए थे। इस सूची में तीसरे स्थान पर अब यशस्वी आ गए हैं जिन्होंने इस साल टेस्ट में 1478 रन बनाए। भारत के पूर्व विस्फोटक बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने 2008 में 1462 रन और 2010 में 1422 रन बनाए थे।

एक वर्ष में सबसे ज्यादा टेस्ट रन बनाने वाले तीसरे भारतीय बने

जल्द बदलेगा बिहार का निजाम : पीके

» पटना सिटी एसपी के खिलाफ मानवाधिकार आयोग जाएंगे प्रशांत किशोर

☐☐☐ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। जनसुराज के सूत्रधार और चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने बिहार तेज तर्रार महिला आईपीएस अधिकारी व पटना सिटी की एसपी स्वीटी सहरावत को चेतावनी देते हुए कहा कि नई-नई नौकरी शुरू की है। मेरा उनको एक सुझाव है कि पुलिस का काम लोगों की सुरक्षा करना है। लोगों डराना पुलिस का काम नहीं है। यह जो पिछले दो बार से लाठचार्ज हो रहा है और नया हीरो बनने की जो आप कोशिश रही हैं। कहीं ऐसा न हो की आपको ही खामियाजा भुगतना पड़े। इतना भी वर्दी का रौब मत दिखाइए कि सबकुछ उल्टा पड़ जाए।

बता दें उनके आदेश पर ही छात्रों पर लाठियां बरसाई गई। हमलोग एसपी के खिलाफ मानवाधिकार आयोग जाएंगे। हमलोग इनपर प्राथमिकी दर्ज करवाएंगे। इनको कोर्ट में भी ले जाएंगे। एक-एक का हिसाब किया जा रहा है। प्रशांत किशोर ने कहा कि मैं एसपी से डरने वाला नहीं हूं। क्या बच्चों को दौड़ा-दौड़ा कर मारना कानून का उल्लंघन नहीं है। यह लाठीतंत्र नहीं है। जो अफसर हीरो बन रहे हैं, वह कान खोलकर सुन लें कि साल भर बाद बिहार का निजाम बदलने वाला है। कोई भी बनें लेकिन नीतीश कुमार मुख्यमंत्री नहीं बनेंगें। इसलिए वर्दी का रौब मत दिखाइए। केवल चमकने के चक्कर में वर्दी का रौब दिखाकर बच्चों पर लाठियां बरसाई जा रही है। क्या आरके मिश्रा, आनंद मिश्रा और मैं अपराधी हूं जो बिहार पुलिस ने हमलोगों पर केस किया गया? आरके मिश्रा डीजी होम रह चुके हैं बिहार में। आनंद मिश्रा एसपी रह चुके हैं क्या यह लोग अपराधी हैं जो आप केस कर रहे हैं।

चिराग ने नीतीश से की बात

लाठीचार्ज को लेकर लोजपा(रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष व केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने इसको लेकर एक्स पर लिखा कि एनडीए सरकार के प्रमुख सहयोगी होने के नाते मैंने बिहार सरकार और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से तुरंत हस्तक्षेप करने की अपील की है, जिसके परिणामस्वरूप सरकार की ओर से मुख्य सचिव ने अभ्यर्थियों और छात्रों के साथ संवाद की प्रक्रिया शुरू कर दी है। केंद्रीय मंत्री ने आगे लिखा कि जल्द ही इस पहल के सार्थक परिणाम दिखेंगे। यह हमारी सरकार की सकारात्मक सोच और छात्रों के प्रति संवेदनशीलता का परिणाम है। मैं अभ्यर्थियों से भी अपील करता हूं कि वे शांतिपूर्ण और रचनात्मक तरीके से अपनी बातों को सरकार के समक्ष रखें और किसी भी राजनीतिक व्यक्तियों के बहकावे में आने से बचें। उन्होंने कहा कि यह मुद्दा पूर्ण रूपेण युवाओं के भविष्य और बिहार के विकास से जुड़ा है, जिसे राजनीति से ऊपर रखकर हल किया जाना चाहिए।

बिहार के नए राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान पहुंचे पटना

» 2 जनवरी को लेंगे शपथ

☐☐☐ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार के नवनियुक्त राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान पटना पहुंच चुके हैं। पटना एयरपोर्ट पर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के नेताओं ने उनका भव्य स्वागत किया। उन्होंने कहा कि हमें पता है कि बिहार का गौरवशाली इतिहास रहा है। भारतीय इतिहास में बिहार का क्या योगदान है? यह मैं जनता हूं। इसका असर मेरे ऊपर भी है।

मैं प्रयास करूंगा कि जो धरोहर और गौरवशाली परम्परा है, इसी के अनुरूप दायित्व निर्वहन करने का प्रयास करूं। जो जिम्मेदारी मुझे सौंपी गई है, उसे मैं बखूबी निभाने की कोशिश करूंगा। नये राज्यपाल के शपथ ग्रहण समारोह की तारीख की घोषणा भी कर दी गई। वह दो जनवरी को शपथ लेंगे। पटना हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रण उन्हें शपथ दिलाएंगे। इसके बाद राजभवन में शपथ ग्रहण समारोह होगा। दरअसल, पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन के कारण एक जनवरी तक राजकीय शोक है।

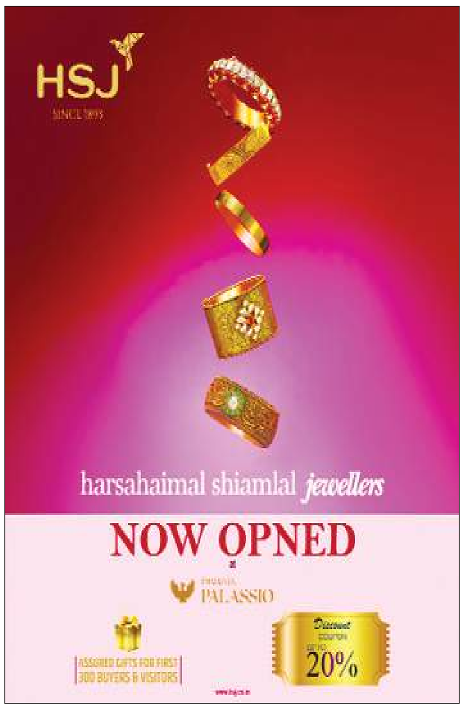
HSJ
SINCE 1893
harsahaimal shiamlal jewellers
NOW OPNED
PALASSIO
ASSURED GIFTS FOR FIRST 300 BUYERS & VISITORS
Discount Coupon 20%

कंपकंपाती ठंड से लोग हुए परेशान

सर्द हवा से मौसम का मिजाज बदल गया है। रविवार को थोड़ी देर तक धूप रहने के बाद पूरे दिन बादल छाए रहे। सोमवार व मंगलवार को भी शीतलहर से लोग परेशान रहे। कई जगह लोग अलाव और हीटर का सहारा लेते नजर आए। स्कूल और दफ्तर बंद होने से सड़कों पर कम भीड़ नजर आई। जो लोग सड़क पर निकले भी वो गर्म कपड़ों से पूरी ढके रहे। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार आगामी दिनों में भी कोहरे की चादर छाई रहेगी, खासतौर से सुबह और रात के समय। नए साल की पूर्व संध्या पर कोहरा छाया रहेगा। बारिश की संभावना नहीं है लेकिन ठंड का कहर बढ़ेगा। कई जिलों में तापमान गिरने की खबरें भी आईं। फोटो: सुमित कुमार

जिसके मां और बहन नहीं, उसका कोई परिवार नहीं है: ममता बनर्जी

» बंगाल सीएम ने भाजपा और सीपीएम पर जमकर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए संदेशखाली गईं। विशेष रूप से, यह पहली बार है जब सीएम ममता बनर्जी ने इलाके में हिंसक विरोध प्रदर्शन के बाद संदेशखाली का दौरा किया। संदेशखाली में कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने बीजेपी और सीपीआईएम पर निशाना साधा।

संदेशखाली में ममता बनर्जी ने कहा कि मां-बहनें देश का गौरव हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर मां और बहन नहीं है, तो कोई परिवार नहीं है। घर की महिलाएं स्वास्थ्य साथी परियोजना की प्रमुख हैं। ममता ने कहा कि 123 करोड़ रुपये से कई परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया है और संदेशखाली में सड़क, बांध, जल उपचार संयंत्र, सामुदायिक भवनों का निर्माण किया गया है। ममता ने यह भी वादा किया कि आने वाले दिनों में एक नया उपखंड और जिला बनाया जाएगा क्योंकि संदेशखाली के लोगों को दूर जाना पड़ता है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने कहा कि यह सेवा सरकार के लिए है और किसी भी सरकारी प्रोजेक्ट के लिए किसी को पैसा न दें। ममता ने कहा कि यह पैसा सरकार का है, यह पैसा आपका है। इसलिए सरकारी परियोजनाओं के लिए किसी को पैसा न दें।

ममता बनर्जी देश की सबसे गरीब सीएम

भारत के 31 मुख्यमंत्रियों के बीच वित्तीय विभाजन चौंकाने वाला है। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की नवीनतम रिपोर्ट में सामने आया है। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू को 931 करोड़ रुपये की संपत्ति के साथ सबसे अमीर नामित किया गया है, जबकि पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी स्पेक्ट्रम के दूसरे छोर पर हैं, जिनकी संपत्ति का मूल्य मात्र 15 लाख रुपये है। सभी मुख्यमंत्रियों की कुल संपत्ति संयुक्त रूप से 1,630 करोड़ रुपये है, जिसमें प्रति नेता औसतन 52.59 करोड़ रुपये है। एडीआर के निष्कर्ष सोमवार को जारी किए गए, जो भारत के राज्य और केंद्र शासित प्रदेश के नेताओं की वित्तीय स्थिति पर प्रकाश डालते हैं। जहां नायडू इस सूची में सबसे आगे हैं, वहीं अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू 332 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति के साथ दूसरे सबसे अमीर हैं। कर्नाटक के सिद्धारमैया 51 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति के साथ शीर्ष तीन में हैं। संपत्ति के अलावा, रिपोर्ट में मुख्यमंत्रियों की देनदारियों का भी जिक्र किया गया है। पेमा खांडू पर सबसे ज्यादा 180 करोड़ रुपये की देनदारी है। सिद्धारमैया की देनदारी 23 करोड़ रुपये बताई गई है, जबकि नायडू की देनदारी 10 करोड़ रुपये से अधिक है। इससे पता चलता है कि कुछ सबसे धनी नेताओं पर भी काफी कर्ज है, जिससे उनकी समग्र वित्तीय स्थिति प्रभावित हो रही है। दूसरी ओर, पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सबसे गरीब हैं, उनकी संपत्ति का मूल्य सिर्फ 15 लाख रुपये है। जम्मू-कश्मीर के उमर अब्दुल्ला दूसरे सबसे गरीब सीएम हैं, उनकी संपत्ति का मूल्य केवल 55 लाख रुपये है। केरल के पिनाराई विजयन सबसे गरीबों की सूची में तीसरे स्थान पर हैं, उनकी संपत्ति सिर्फ 1.18 करोड़ रुपये है।

अमित शाह के फैसले से खुश हुई प्रियंका गांधी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» ट्वीट कर बताया- गृह मंत्रालय ने वायनाड भूस्खलन त्रासदी को गंभीर प्रकृति की आपदा घोषित की

नई दिल्ली। वायनाड से सांसद और कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाद्रा ने वायनाड भूस्खलन त्रासदी को गंभीर प्रकृति की आपदा घोषित करने के लिए गृह मंत्रालय की सराहना की। इसे सही दिशा में उठाया गया कदम बताते हुए उन्होंने कहा कि इससे उन लोगों को काफी मदद मिलेगी, जिन्हें इसके दुष्परिणामों का सामना करना पड़ा है और पुनर्वास की जरूरत है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा कि मुझे खुशी है कि अमित शाह जी ने आखिरकार वायनाड त्रासदी को गंभीर प्रकृति की आपदा घोषित करने का निर्णय लिया है।

कांग्रेस सांसद ने आगे लिखा कि इससे पुनर्वास की आवश्यकता वाले लोगों को काफी मदद मिलेगी और यह निश्चित रूप से सही दिशा में एक कदम है। इस बीच, उन्होंने केंद्र से इसके लिए धन जारी करने का भी आग्रह किया, उन्होंने कहा, अगर जल्द से जल्द इसके लिए पर्याप्त धन आवंटित किया जा सके तो हम सभी आभारी होंगे। गौरतलब है कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने रविवार को इस त्रासदी को गंभीर प्रकृति की आपदा घोषित किया। यह घोषणा आपदा की तीव्रता और प्रभाव को पहचानती है। मान्यता संबंधी निर्णय को गृह मंत्रालय द्वारा केरल सरकार को सूचित किया गया था जिसमें बताया गया था कि ऐसी गंभीर आपदाओं के लिए वित्तीय सहायता शुरू में राज्य आपदा प्रतिक्रिया कोष (एसडीआरएफ) द्वारा प्रदान की जाती है।

प्रदेश में बढ़ी शीतलहर, 8वीं तक के सभी स्कूल बंद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में हाड़ कंपा देने वाली ठंड शुरू हो गई है। पश्चिम यूपी के मथुरा समेत कई में बादल छाए रहने के साथ ही दिनभर लोग बर्फीली हवाओं से कांपते नजर आए। इससे सुबह-शाम के समय सर्दी और बढ़ गई है। सर्दी के प्रकोप को देखते हुए बेसिक शिक्षा परिषद की ओर से संचालित परिषदीय विद्यालय, सीबीएसई, आईसीएसई से संबद्ध आठवीं तक के स्कूल 31 दिसंबर से 14 जनवरी तक बंद रहेंगे।

मथुरा में न्यूनतम तापमान 9 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। मौसम विभाग के अनुसार एक जनवरी के बाद कोहरा व सर्दी और बढ़ेगी। वहीं बारिश के बाद कोहरे की आमद हो रही है। हाईवे व ग्रामीण क्षेत्रों में सुबह व रात को ही कोहरे की हल्की परत दिखाई दे रही है। शीतलहर से बचाव के लिए लोग ऊनी कपड़ों में लिपटे नजर आए। मौसम विभाग के मुताबिक, बारिश के बाद तापमान में भी गिरावट देखने को मिल रही है। बदलते मौसम में प्रशासन ने लोगों से अपील है कि ठंड में सिकुड़ें नहीं धर्मशाला और रैन बसेरों में ठहरें।

रिश्वतखोर राहुल का छिना एक्सीलेंस अवार्ड

» गृह मंत्रालय ने किया पदक रद्द करने का फैसला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने 2023 में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) इंस्पेक्टर राहुल राज को दिए गए जांच में उत्कृष्टता के लिए केंद्रीय गृह मंत्री पदक को रद्द कर दिया है। यह कदम रिश्वत मामले में उनकी गिरफ्तारी के बाद उठाया गया है।

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने एक आदेश में कहा कि जांच में उत्कृष्टता के लिए केंद्रीय गृह मंत्री का पदक साल 2023 में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के इंस्पेक्टर राहुल राज को दिया गया था, रिश्वत मामले में उनकी गिरफ्तारी के बाद रद्द कर दिया गया है। राज पर आरोप लगने के बाद प्रतिष्ठित पदक जब्त करने का निर्णय लिया गया है। इससे पहले केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने इंस्पेक्टर राहुल राज की सेवाएं समाप्त कर दी थी।

गंदी राजनीति करते हैं केजरीवाल: गौरव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में भाजपा ने मंगलवार को आम आदमी पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल और दिल्ली सरकार पर जमकर हमला बोला। केजरीवाल पर राजनीतिक लाभ के लिए बच्चों का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया और उन पर सस्ती और गंदी राजनीति करने का आरोप लगाया।

प्रेस कांफ्रेंस करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा कि दिल्ली की सत्तारूढ़ पार्टी ने उस पोस्ट को नहीं हटाया है, जिसमें कुछ बच्चों को केजरीवाल के समर्थन में नारे लगाते हुए दिखाया गया है, जबकि राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने इस मामले पर गंभीर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि बच्चों का ऐसा चित्रण किशोर अधिनियम और चुनाव आयोग के दिशा-निर्देशों का उल्लंघन है।

पंजाब सरकार ने कोर्ट से मांगा तीन दिन का और समय

किसान नेता डल्लेवाल को अस्पताल भेजने के लिए सुप्रीम कोर्ट में आज होनी थी सुनवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पंजाब किसान जगजीत सिंह डल्लेवाल की अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल 36 दिन से जारी है। बीमार किसान नेता के उपचार और उनकी सेहत ठीक रखने के लिए उठाए कदमों की आज सुप्रीम कोर्ट में समीक्षा की जानी थी। मगर, राज्य सरकार ने बताया कि डल्लेवाल को अस्पताल जाने के लिए मनाने की कोशिश की जा रही है, लेकिन वो मान नहीं रहे हैं। साथ ही सरकार ने डल्लेवाल को अस्पताल में भर्ती कराने के शीर्ष अदालत के आदेश का पालन करने के लिए तीन दिन का और समय मांगा। इस पर अदालत ने सुनवाई दो जनवरी तक टाल दी।

बता दें, इससे पहले पंजाब सरकार के अधिकारियों की एक टीम 29 दिसंबर को 70 वर्षीय डल्लेवाल के पास गई थी। उन्हें चिकित्सा सहायता लेने के लिए मनाने का प्रयास किया गया, लेकिन डल्लेवाल ने इनकार कर दिया।

दो जनवरी को होगी सुनवाई

जस्टिस सूर्यकांत और सुधांशु धूलिया की अवकाश पीठ ने मामले को दो जनवरी को आगे की सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया। दरअसल, पंजाब सरकार की ओर से पेश हुए एडवोकेट जनरल गुरमिंदर सिंह ने अदालत के 20 दिसंबर के आदेश के अनुपालन के लिए तीन दिन का और समय मांगने के लिए एक आवेदन दायर किया था।

विभिन्न स्तरों पर चल रही बात

सिंह ने कहा कि अधिकारियों की एक टीम विरोध स्थल पर प्रदर्शनकारी किसानों से बातचीत कर रही है और डल्लेवाल को खनौरी सीमा के पंजाब की तरफ स्थित पास के अस्थायी अस्पताल में भर्ती कराने की कोशिश की जा रही है। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह प्रदर्शनकारी किसानों के साथ हुई चर्चा पर कोई टिप्पणी नहीं करना चाहती और वह केवल अपने पहले के आदेशों का अनुपालन चाहती है।

किसानों का प्रदर्शन जारी

अधिकारियों ने डल्लेवाल से विरोध स्थल से हटने की अपील भी की, लेकिन उन्होंने अनशन खत्म करने से साफ इनकार कर दिया। अब इस मामले में बल प्रयोग की आशंका भी प्रकट की जा रही है। बता दें कि किसान फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी सहित कई मांगों को लेकर विरोध-प्रदर्शन कर रहे हैं।

स्वामी **4 पीएम** न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **महाराष्ट्र कार्यालय**:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com |
website: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।